Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 309 | शनिवार, 14 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

काजीरंगा में मिनी बस और ट्रक की भिड़ंत में 26 की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



काजीरंगा। असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के निकट शुक्रवार को एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनमें से कई कॉलेज के छात्र थे, जो कक्षाएं खत्म होने के बाद घर लौट रहे थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर कोहोरा रेंज स्थित हाथीकुली चाय बागान के निकट रंगाजान में बस की ट्रक से टक्कर हो गई। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विश्वनाथ में एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि दोपहर में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के निकट एक बेहद दुखद दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा कि मृतकों में कॉलेज के विद्यार्थी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल कई लोगों का बोकाखाट सिविल अस्पताल और जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। शर्मा ने कहा, ''मंत्री रानोज पेगू जल्द ही काजीरंगा जाएंगे और मैं भी कल वहां जाऊंगा।'' इससे पहले गोलाघाट जिले के एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने संवाददाताओं से कहा था कि हादसे में मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए पहले से ही नौ एम्बुलेंस तैनात हैं। यहां के चिकित्सकों ने 20 लोगों को बेहतर इलाज के लिए जोरहाट भेजा है।'' उन्होंने बताया कि मृतकों में से आठ की पहचान ज्योति माझी, दर्पणा माझी, अनुराग गोआला (12 वर्षीय बालक), अब्दुल मुजीद (मिनी बस का चालक), सुभाष (मिनी बस का सहायक), राशिद अली, हफीजा खातून और फरहाना यास्मीन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मिनी बस गोलाघाट से नगांव जा रही थी, जबकि कंटेनर ट्रक ऊपरी असम की ओर जा रहा था। इससे पहले, गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राहत एवं बचाव अभियान में जुटे लोगों की मदद के लिए सभी वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा था कि बस में सवार लोगों की सही संख्या का तत्काल पता नहीं चल पाया है। असम के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं स्थानीय विधायक अतुल बोरा तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। बोरा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से दुर्घटना के बारे में बात की है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार, कल दिन में गोलाघाट के शहीद कुशल कोंवर सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जाएगा।'' इससे पहले आई खबरों में कहा गया था कि पोस्टमार्टम रात में किया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल अधिकतर लोगों को बोकाखाट और गोलाघाट के सरकारी अस्पतालों तथा जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया।

हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मुआवजे का किया एलान



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास हुए भीषण सड़क हादसे पर शोक जताया, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। मोदी ने एक मिनीबस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में मारे गए लोगों के परिजन को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'असम के काजीरंगा में सड़क हादसे में जानमाल के नुकसान की खबर बेहद दुखद है। मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं, जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।' असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने मुर्मू के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य सरकार राहत कार्यों में जुटी है और इस मुश्किल समय में मृतकों के परिजन को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा, 'काजीरंगा में सड़क दुर्घटना में जानमाल के नुकसान से गहरा दुख और पीड़ा हुई है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'असम के गोलाघाट जिले में सड़क हादसे में लोगों की जान जाने से मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में मैं पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' मोदी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि काजीरंगा में सड़क हादसे में जानमाल के नुकसान से उन्हें गहरा दुख हुआ है।

प्रधानमंत्री मेरा फोन टैप कर रहे हैं, करें आमने-सामने की बहस: राहुल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनका फोन टैप कर रहे हैं और जो आरोप वह लगा रहे हैं, उन सभी के सबूत उसी फोन में मौजूद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को फिर आमने-सामने की बहस की चुनौती दी और कहा कि इससे साबित हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देश विरोधी है। उनके पास इस संबंध में कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हैं और ये सभी जानकारियां उनके फोन में हैं। श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में श्री मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा, 'मोदी जी, अपने ही गोदी मीडिया के दिवाली मिलन में भी टेलीप्रॉम्प्टर। लोग आपके, मंच आपका, माहौल आपका-फिर भी स्क्रिप्ट चाहिए थी। लगता है दबाव में घबरा गए हैं। खैर, कोई बात नहीं। मुझसे बहस में भी टेलीप्रॉम्प्टर ले आइए, जज भी अपनी पसंद का बैठा लीजिए। बस आइए तो सही। देश जानना चाहता है- असली देशद्रोही कौन है।'

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद में बहस की बात करती है, लेकिन जब भी उन्होंने संसद में मुद्दे उठाने की कोशिश की तब उनका माइक बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान विधेयक, वोट चोरी, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चीन, पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब और एपस्टीन से जुड़े मुद्दों पर उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया। श्री गांधी ने कहा कि वह भाषण वाली बहस नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने की चर्चा चाहते हैं। इसमें एक तरफ श्री मोदी और दूसरी तरफ वह स्वयं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन पर आरोप लगाते हैं और वह भी उन पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उधर आप अडानी जी को जज बनाना चाहते हों, मोहन भागवत को बनाना चाहते हों, वो सब ठीक है, मगर मैं गारंटी दे रहा हूं, 'वन-ऑन-वन' डिबेट के बाद प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे।'

मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन, बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया और बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में 16,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। प्रधानमंत्री ने आज दोपहर करीब 12.45 बजे मेट्रो की पिंक लाइन को हरी झंडी दिखाकर तवरेकेरे से आईआईएम बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन तक यात्रा भी की। करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह मेट्रो लाइन कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे तक फैली है। इससे बेंगलुरु के शहरी परिवहन नेटवर्क को मजबूती मिलने, यात्रियों का सफर आसान होने और सड़क यातायात का दबाव कम करने की उम्मीद है।

श्री मोदी ने वर्चुअल रूप से बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा के बीच आधुनिक रेल संपर्क उपलब्ध होगा। यह ट्रेन हासन, सकलेशपुर, मंगलुरु, उडुपी, मुरुडेश्वर, गोकर्ण और कारवार सहित प्रमुख स्थानों पर रुकेगी और मडगांव तक जाएगी। इससे यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह वंदे भारत सेवा देश की सबसे लंबी अवधि वाली चेयर कार वंदे भारत ट्रेन होगी।



यशवंतपुर से मडगांव तक इसकी यात्रा में 13 घंटे 20 मिनट लगेंगे, जबकि वापसी में मडगांव से यशवंतपुर पहुंचने में 12 घंटे 55 मिनट का समय लगेगा। इसकी औसत गति भी देश की अन्य वंदे भारत सेवाओं के मुकाबले सबसे कम होगी। बेंगलुरु से मडगांव की दिशा में औसत गति 54 किलोमीटर प्रति घंटा और वापसी में 53 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। ट्रेन संख्या 26655 यशवंतपुर से सुबह 7.35 बजे रवाना होकर रात 8.55 बजे मडगांव पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26656 मडगांव से सुबह 8.20 बजे चलकर रात 9.15 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी।

ट्रेन के नियमित परिचालन की शुरूआत 15 नवंबर से होगी। यह यशवंतपुर से बुधवार और मडगांव से गुरुवार को छोड़कर सप्ताह के बाकी सभी दिन चलेगी। इस मार्ग पर कुल 12 ठहराव होंगे। इनमें श्रवणबेलगोला, हासन, सकलेशपुर, सुब्रह्मण्य रोड, काबका पुत्तूर, मंगलुरु जंक्शन, उडुपी, कुंदापुरा, बिंदूर, मुरुडेश्वर, गोकर्ण रोड और कारवार शामिल हैं।

श्री मोदी ने बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में बिजली पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम, कचरा प्रबंधन और रेलवे सहित विभिन्न क्षेत्रों की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें कोप्पल-द्वितीय और गदग-द्वितीय में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बिजली पारेषण की करीब 4,450 करोड़ रुपये की परियोजना तथा बीदर में सौर ऊर्जा क्षेत्र से बिजली निकासी के लिए 1,370 करोड़ रुपये की परियोजना शामिल हैं। इनसे संबंधित क्षेत्रों में क्रमशः करीब दो गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और 2.5 गीगावाट सौर ऊर्जा को बिजली ग्रिड तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने दावणगेरे-चित्रदुर्ग और बल्लारी के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों को जोड़ने वाली 3,450 करोड़ रुपये से अधिक की पारेषण परियोजना तथा दावणगेरे और बल्लारी में अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के एकीकरण के लिए 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना की आधारशिला भी रखी।

1.27 करोड़ हिंदू वोटर कम हो गए हैं, सीएम योगी ने संभाली कमान

हर बूथ पर 50 वोटर जोड़ने का लक्ष्य, 1 करोड़ का टारगेट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि महिला और युवा मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है।

लखनऊ में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं (जिनमें भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रमुख पंकज चौधरी भी शामिल थे) के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए, आदित्यनाथ ने मतदाता सूची से 'हिंदू मतदाताओं के नाम हटाए जाने' का मुद्दा उठाया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे एकजुट रहें और मतदाताओं तक पहुंचने के लिए आपस में बेहतर तालमेल बनाए रखें।

मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं से यह भी कहा कि वे सुनिश्चित करें कि जो लोग उत्तर प्रदेश के बाहर रहते हैं, वे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के दौरान अपना वोट डालने के लिए राज्य वापस आएं। आदित्यनाथ ने इस बात पर भी जोर दिया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से छूट गए हैं, उन्हें उसमें शामिल किया जाना चाहिए।

आदित्यनाथ के दावे का मकसद डर फैलाना है

शुक्रवार को लखनऊ में एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, अखिलेश ने आदित्यनाथ के दावे को लोगों के बीच डर फैलाने की कोशिश बताया। उन्होंने इसे मतदान के दिन वोटिंग और मतदाताओं की संख्या को प्रभावित करने की एक 'सोची-समझी साजिश' करार दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया भाजपा अब मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य जगहों से लोगों को लाकर उत्तर प्रदेश में मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, उनकी योजना यह सुनिश्चित करने की है कि मतदान केंद्र के अंदर मौजूद अंतिम मतदाता सूची, बाहर लगी सूची से अलग हो। जब कोई मतदाता वोट डालने आएगा, तो उसे यह कहकर लौटा दिया जाएगा कि उसका नाम सूची में नहीं है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि हर मतदान केंद्र पर पुख्ता इंतजाम होने चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी पात्र मतदाता को अपना वोट डालने के अधिकार से वंचित न होना पड़े।

आदित्यनाथ का दावा: हिंदू मतदाता सूची से गायब

यह उच्च-स्तरीय बैठक ऐसे समय में हुई है जब आदित्यनाथ ने दावा किया है कि 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (SIR) अभियान के बाद मतदाता सूची से 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में 1.63 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के सामने उठाएगी। लेकिन आदित्यनाथ के इस दावे ने उत्तर प्रदेश में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है।

समाजवादी पार्टी (SP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सवाल किया है कि मुख्यमंत्री को कैसे पता चला कि मतदाता सूची से 1.27 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं'। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मिलीभगत करने का आरोप भी लगाया।

यूपी कांग्रेस में काम न करने वाले जिला और शहर अध्यक्ष बदले जाएंगे

लखनऊ। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने शुक्रवार को कहा कि निष्क्रिय और कार्य न करने वाले जिला/शहर अध्यक्षों को अवश्य बदला जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश भर के सभी जिला एवं शहर अध्यक्षों, मोर्चा अध्यक्षों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रदेश प्रमुखों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, ''संगठन सृजन के जरिए जो जिला एवं शहर अध्यक्ष नियुक्त हुए थे वह बने रहेंगे लेकिन निष्क्रिय और कार्य न करने वाले जिला/शहर अध्यक्षों को अवश्य बदला जाएगा।'' कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, गौतम ने कहा, आप लोगों को सबसे पहले अपने मन में जीतने की दृढ़ इच्छा शक्ति बनानी होगी क्योंकि मन के हारे, हार है, मन के जीते जीत। जिसने जीतने का मन बना लिया उसे कोई हरा नहीं सकता।

ओडीओपी की तर्ज पर अब 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन आर्ट' को बढ़ावा देगी यूपी सरकार: मुख्यमंत्री

संगीत नाटक अकादमी के 63वें स्थापना दिवस समारोह 'धरोहर' में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन (ओडीओसी) की तर्ज पर अब 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन आर्ट' को बढ़ावा देने का बड़ा आह्वान किया है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोमती नगर स्थित संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित 'धरोहर' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति को नष्ट कर उसे स्थायी रूप से गुलाम बनाने के बहुत षड्यंत्र हुए, लेकिन हमारी सनातन संस्कृति और लोक कलाओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी देश की आत्मा को जीवित रखा।

इस अवसर पर उन्होंने संस्कृति विभाग को निर्देश दिया कि अकादमी में मानव संसाधन की कमी को तत्काल दूर किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया की तमाम संस्कृतियां मिट गईं, लेकिन तलवार और मानसिक गुलामी भी भारत की संस्कृति को नहीं मिटा सकी।

हमारी लोक परंपराओं ने ही भारत की सांस्कृतिक आत्मा और आत्मसम्मान को पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित रखा है। हालांकि आजादी के बाद हमारी अनेक लोक कलाएं और वाद्ययंत्र उपेक्षित रहे। संस्कृति की उपेक्षा का अर्थ केवल कला का लुप्त होना नहीं, बल्कि पहचान के महत्वपूर्ण अध्यायों का समाप्त होना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पंच प्रण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए अपनी विरासत पर गर्व करना आवश्यक है। आज राज्य सरकार काशी, अयोध्या, मथुरा और ब्रज क्षेत्र के सांस्कृतिक केंद्रों को पुनर्स्थापित कर रही है और दीपोत्सव व देव दीपावली जैसे आयोजन दुनिया को आकर्षित कर रहे हैं।

ओडीओपी की तर्ज पर शुरू हो वन डिस्ट्रिक्ट-वन आर्ट

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का ओडीओपी आज धूम मचा रहा है और राज्य का निर्यात दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। इसी तरह वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन में भी अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग और सभी अकादमियों को निर्देश दिया कि प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन आर्ट कार्यक्रम को प्राथमिकता दी जाए। प्रदेश भर के कलाकारों को मंच दिया जाए और हर जिले की अपनी विशिष्ट कला को आगे बढ़ाया जाए।

संपादक की कलम

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति

भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है। भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंततः आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है। प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है। भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा। जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी। ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है।



ललित शर्मा
संपादक

दादा की संपत्ति पर पोते का हक नहीं! सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और पारिवारिक संस्कृति में संयुक्त परिवार व्यवस्था का सदियों से विशेष स्थान रहा है। दादा परिवार के मुखिया,पिता परिवार की जिम्मेदारियों के वाहक और पोती-पोते परिवार की भावी पीढ़ी के प्रतीक माने जाते रहे हैं।संयुक्त परिवार में संपत्ति केवल आर्थिक संसाधन नहीं,बल्कि पीढ़ियों की विरासत,पारिवारिक सम्मान और आपसी विश्वास का प्रतीक भी रही है।लेकिन बदलते सामाजिक परिवेश, डिजिटल युग की नई पीढ़ी की स्वतंत्र सोच,पारिवारिक हस्तक्षेप, संपत्ति के बढ़ते बाजार मूल्य और आपसी मतभेदों के कारण संयुक्त परिवारों में संपत्ति विवाद लगातार कानूनी चुनौती बनते जा रहे हैं।अनेक विवाद निचली अदालतों से होते हुए उच्च न्यायालयों और अंततः सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच रहे हैं। इसी महत्वपूर्ण कानूनी परिप्रेक्ष्य में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगाकि 6 नवंबर 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसा फैसला सुनाया है,जिसने दादा से पिता को विरासत में मिली संपत्ति पर पोते के जन्मसिद्ध अधिकार के सवाल को नई कानूनी स्पष्टता प्रदान की है।अदालत ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के अंतर्गत पिता को प्राप्त संपत्ति केवल इस कारण संयुक्त हिंदू परिवार की पैतृक संपत्ति नहीं बन जाती कि वह उसके पिता अर्थात पोते के दादा से विरासत में मिली है।इस फैसले का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह परिवारों में संपत्ति के स्वामित्व, उत्तराधिकार और सहदायिकी अधिकारों के बीच अंतर को समझने का अवसर देता है।इस ऐतिहासिक निर्णय का नाम है जे.राजेश (माइनॉर) थ्रू हिज मदर एंड नेचुरल गार्डियन जे.गोमाथी वर्सेज. एम.कुमारण(डेड) थ्रू एलआर एस एंड ऑदर्स ।न्यूट्रल साइटेशन:2026आइएनएससी 1208 अपील संख्याः सिविल अपील नों. 7020-2012 पीठः न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह एवं न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, निर्णय लिखने वाली न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल परिणाम : अपील खारिज,मद्रास हाईकोर्ट का निर्णय बरकरार।यह निर्णय केवल किसी एक परिवार के संपत्ति विवाद का निपटारा नहीं है,बल्कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत विरासत में मिली संपत्ति और पारंपरिक सहदायिकी संपत्ति के बीच अंतर को पुनः स्थापित करता है। इस मामले में अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल संपत्ति का मूल स्रोत दादा होना, उसे पोते के लिए स्वतः जन्मसिद्ध अधिकार वाली संपत्ति नहीं बना देता। सुप्रीम कोर्ट ने सभी प्रकार की पैतृक संपत्ति में पोते का अधिकार समाप्त नहीं किया है। निर्णय का वास्तविक केंद्र धारा 8 के अंतर्गत प्राप्त व्यक्तिगत विरासत और संयुक्त सहदायिकी संपत्ति के बीच कानूनी अंतर है। साथियों बात अगर हम हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 का असली अर्थ क्या है? इसको समझने की करें तो,इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण कानूनी धुरी हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 है। यह धारा उस स्थिति में लागू होती है जब किसी हिंदू पुरुष की मृत्यु बिना वसीयत किए हो जाती है। ऐसी स्थिति में उसकी संपत्ति कानून में निर्धारित उत्तराधिकारियों के क्रम के अनुसार हस्तांतरित होती है। इसमें प्रथम श्रेणी अर्थात क्लास-कके उत्तराधिकारियों में पुत्र, पुत्री, विधवा और माता सहित अन्य निर्धारित उत्तराधिकारी शामिल हैं।यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है। यदि मृतक का पुत्र जीवित है तो उसका पुत्र अर्थात पोता केवल इस रिश्ते के आधार पर क्लास-क का प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी नहीं बन जाता। लेकिन यदि पुत्र की मृत्यु पिता अर्थात दादा से पहले हो चुकी है, तो पूर्वमृत पुत्र का बेटा निर्धारित उत्तराधिकार के अंतर्गत हिस्सा प्राप्त कर सकता है।सर्वोच्च न्यायालय ने इसी अंतर को रेखांकित किया। अदालत के अनुसार, जब दादा की संपत्ति धारा 8 के अंतर्गत उसके क्लास-क उत्तराधिकारियों को मिल जाती है,तो प्रत्येक उत्तराधिकारी अपने हिस्से का स्वतंत्र मालिक बनता है। धारा 19 के अनुसार ऐसे उत्तराधिकारी सामान्यतः हिस्सेदार के रूप में संपत्ति प्राप्त करते हैं, न कि एक निरंतर संयुक्त सहदायिकी के रूप में।इसलिए पिता को मिला हिस्सा केवल इस आधार पर संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता कि उसका मूल स्रोत दादा की संपत्ति थी। पिता को अपने हिस्से पर स्वतंत्र स्वामित्व प्राप्त होता है। साथियों बात अगर हम वर्ष 1986 का ऐतिहासिक फैसला इस मुकदमे में क्यों बना सबसे बड़ा आधार? को समझने की करें तो, इस पूरे विवाद को समझने के लिए वर्ष 1986 का एक महत्वपूर्ण निर्णय जानना आवश्यक है। वह है कमिश्नर ऑफ वेल्थ टैक्स,कानपुर बनाम चन्दर सेन,(1986) 3 एससीसी 567 ।इस फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने यह कानूनी सिद्धांत स्थापित किया था कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत पिता से विरासत में मिली संपत्ति पुत्र को उसकी व्यक्तिगत हैसियत में प्राप्त होती है, न कि अनिवार्य रूप से उसके अपने हिंदू अविभाजित परिवार के कर्ता के रूप में।इसका अर्थ यह है कि पारंपरिक हिंदू कानून में जन्म से सहदायिकी अधिकार की जो अवधारणा थी, उसे धारा 8 के तहत उत्तराधिकार से प्राप्त प्रत्येक संपत्ति पर स्वतः लागू नहीं किया जा सकता।इसके बाद युधिशटर बनाम अशोक कुमार ,(1987) 1 एससीसी 204 में भी चंदर सेन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया। वर्तमान मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने इन पुराने निर्णयों के साथ अन्य प्रासंगिक फैसलों का भी अध्ययन किया और स्पष्ट किया कि संहिताबद्ध उत्तराधिकार कानून को नजरअंदाज करके पुराने व्यक्तिगत हिंदू कानून के आधार पर पोते का जन्मसिद्ध दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता।यही इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण कानूनी पक्ष है। न्यायालय ने 1986 के सिद्धांत को कोई नया कानून बनाकर नहीं, बल्कि वर्तमान विवाद के तथ्यों पर लागू करके उसकी प्रासंगिकता को फिर से सटीकता से रेखांकित किया। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट ने धारा 6 औरतमिलनाडु की धारा 29- ए की दलील क्यों खारिज की? इसको समझने की करें तो इस मुकदमे में अपीलकर्ता की ओर से हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6 और तमिलनाडु में लागू धारा 29-ए का भी सहारा लिया गया था। अपीलकर्ता का तर्क था कि उसका जन्म 6 जनवरी 1994 को हो चुका था और समझौता डिक्री 3 फरवरी 1994 को पारित हुई थी।इसलिए उसे जन्म से सहदायिकी अधिकार प्राप्त हो चुका था। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। धारा 6 का संबंध मिताक्षरा संयुक्त हिंदू परिवार की सहदायिकी संपत्ति में अधिकार के उत्तराधिकार से है। वर्ष 2005 के संशोधन ने बेटियों को भी बेटों के समान जन्म से सहदायिकी अधिकार प्रदान किए। वहीं तमिलनाडु की धारा 29-ए के अंतर्गत भी निर्धारित शर्तों के अधीन बेटियों को सहदायिकी अधिकार दिए गए थेन्यायालय ने कहा कि इस मामले में दादा की मृत्यु के बादउत्तराधिकार पहले ही खुल चुका था और संपत्ति क्लास-क उत्तराधिकारियों में चली गई थी। इसके बाद 1994 में हुए समझौते के तहत अलग- अलग हिस्से निर्धारित हो गए। इसलिए अपीलकर्ता दादा की मृत्यु के समय जीवितसहदायी नहीं था और उसके पक्ष में धारा 6 अथवा तमिलनाडु की धारा 29-ए लागू नहीं की जा सकती।अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल इस कारण कि पोते का जन्म समझौता डिक्री से पहले हुआ था, उसे उस संपत्ति में नया सहदायिकी अधिकार प्राप्त नहीं हो जाता जिसका उत्तराधिकार पहले ही खुल चुका था।

साथियों बात अगर कर हम भविष्य में इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ेगा? किन परिस्थितियों में पोते को संपत्ति में हिस्सा मिल सकता है? इसको समझने की करें तोयह फैसला देशभर में संपत्ति संबंधी मुकदमों के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगा। हालांकि इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि अब पोते-पोतियों का दादा की पैतृक संपत्ति पर कभी अधिकार नहीं होगा। असली सवाल संपत्ति की कानूनी प्रकृति, उसके उत्तराधिकार का समय और उसके हस्तांतरण के तरीके का होगा।पहली स्थिति : धारा 8 के तहत विरासत में मिली संपत्ति। यदि दादा की मृत्यु बिना वसीयत के होती है और संपत्ति धारा 8 के तहत क्लास-कउत्तराधिकारियों में जाती है तथा पिता को उसका हिस्सा प्राप्त होता है, तो उस हिस्से पर पिता का बेटा केवल जन्म के आधार पर अपना दावा नहीं कर सकता।दूसरी स्थिति : वास्तविक संयुक्त पैतृक सहदायिकी संपत्ति। यदि संपत्ति वास्तव में मिताक्षरा संयुक्त हिंदू परिवार की अविभाजित सहदायिकी संपत्ति है और उस पर लागू कानून के तहत जन्म से अधिकार उत्पन्न होता है, तो योग्य सहदायी अपना हिस्सा मांग सकता है। ऐसी संपत्ति को धारा 8 से प्राप्त व्यक्तिगत संपत्ति के समान नहीं माना जा सकता।

साथियों तीसरी स्थिति पिता की मृत्यु दादा से पहले। यदि पिता की मृत्यु दादा से पहले हो जाती है, तो पूर्वमृत पुत्र का बेटा दादा के उत्तराधिकार में धारा 8 और उसकी अनुसूची के अनुसार हिस्सा प्राप्त कर सकता है। यह अधिकार निर्धारित उत्तराधिकार के आधार पर होगा,न कि जीवित पिता के हिस्से पर जन्मसिद्ध दावे के आधार पर।चौथी स्थिति : दादा की स्वयं अर्जित संपत्ति। यदि दादा ने अपनी मेहनत और आय से संपत्ति अर्जित की है,तो वह सामान्यत अपनी वसीयत के माध्यम से उसे किसी भी पात्र व्यक्ति को दे सकते हैं।

यदि वह बिना वसीयत के मृत्यु करते हैं तो धारा 8 के अनुसार उत्तराधिकार खुलेगा।पांचवीं स्थिति पिता की स्वतंत्र संपत्ति यदि पिता को धारा 8 के अंतर्गत व्यक्तिगत संपत्ति प्राप्त हुई है, तो वह लागू कानून के अधीन उसे बेचने, दान करने या वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित करने का अधिकार रखते हैं। केवल पुत्र होने के कारण पोता उस संपत्ति में स्वतःहिस्सा नहीं मांग सकता।इसलिए हर संपत्ति विवाद में केवल यह कहना पर्याप्त नहीं होगा कि जमीन दादा या परदादा से आई है। यह भी देखना होगा कि संपत्ति किस कानूनी प्रक्रिया से प्राप्त हुई, उत्तराधिकार कब खुला, क्या कोई वैध बंटवारा हुआ और संबंधित समय पर कौन-कौन सटीकता से उत्तराधिकारी जीवित थे।

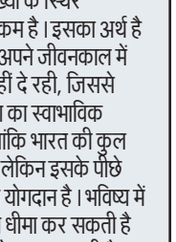
साथियों बात अगर हम चेन्नई की 1,811 वर्ग फुट संपत्ति का विवाद आखिर शुरू कैसे हुआ? इसको समझने की करें तो,इस मुकदमे की जड़ तमिलनाडु के चेन्नई में स्थित 1,811 वर्ग फुट जमीन थी, जो मूल रूप से स्वर्गीय एन. रामकृष्णन की संपत्ति थी। उनके परिवार में संपत्ति के बंटवारे को लेकर उनकी बेटी जी.ललिता ने वर्ष 1993 में चेन्नई की अदालत में मुकदमा दायर किया था। यह मुकदमा सी.एस .ठङ्क.1728 ऑफ1993 के नाम से दर्ज हुआ।बाद में 3 फरवरी 1994 को समझौते के आधार पर डिक्री पारित हुई, जिसके अंतर्गत रामकृष्णन के बेटे अर्थात विवादित मामले में प्रतिवादी के पिता को 1,811 वर्ग फुट जमीन प्राप्त हुई।इसी बीच 6 जनवरी 1994 को जे. राजेश का जन्म हुआ। अर्थात वह समझौता डिक्री पारित होने से लगभग चार सप्ताह पहले जन्म ले चुका था।राजेश की ओर से यह दलील दी गई कि चूंकि संपत्ति उसके दादा की पैतृक संपत्ति थी और उसका जन्म बंटवारे की डिक्री से पहले हो चुका था, इसलिए उसे भी उसमें जन्म से आधा हिस्सा प्राप्त था।लेकिन कहानी में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह था कि दादा की मृत्यु के बाद उत्तराधिकार पहले ही खुल चुका था और वर्ष 1993 में संपत्ति के बंटवारे की कार्यवाही शुरू हो गई थी।

अदालत ने स्पष्ट किया कि दादा की मृत्यु की सटीक तारीख निर्णय में उपलब्ध नहीं थी, लेकिन उत्तराधिकार राजेश के जन्म से पहले खुल चुका था।इसके बाद राजेश के पिता ने 3 अप्रैल 1997 और 17 अप्रैल 1997 को दो अलग-अलग बिक्री विलेखों के माध्यम से यह जमीन खरीदारों को बेच दी। राजेश ने अपनी मां एवं प्राकृतिक अभिभावक जे. गोमती के माध्यम से वर्ष 1997 में ओरिजिनल सूट नों.1698 - 1997 दायर करके संपत्ति में आधे हिस्से और कब्जे की मांग की। निचली अदालत ने उसके पक्ष में प्रारंभिक बंटवारा डिक्री पारित की, लेकिन प्रथम अपीलीय अदालत ने उसे पलट दिया।मद्रास हाईकोर्ट ने 11 अगस्त 2010 को पिता के हिस्से को उसकी व्यक्तिगत संपत्ति मानते हुए अपीलीय निर्णय को बरकरार रखा।

दिन सलोने बचपन के

मोनिका डागा

कविता



थे वो सुहाने दिन सलोने बचपन के,
चिंता मुक्त, हंसी-खुशी छुटपन के,
मौज-मस्ती संग थी सबकी एकता,
तब भूख प्यास का ना था अता-पता ।

प्यार के गलियारों में हमारी ही थी धूम,
नाचते,गाते, हंसते खिलखिलाते थे झूम,
नटखटपन चंचलता और थोड़ी शैतानी,
ढ़ेरों सवाल, जिज्ञासाएं और थोड़ी नादानी ।

दबाव न था कोई हम बहते थे अविरल,
कायम थी संग प्यारी मुस्कुराहट हर पल,
सबकी सुनते थे पर करते अपने मन की,
खुशियां थी वो कुछ अद्भुत पूरे जीवन की ।

लड़ते-झगड़ते, मारते-पीटते पर उफ न करते,
गिरते-उठते, कूदते-फांदते, आह भी न करते,
वो दोस्त, खेत-खलिहान, वो 'आनंद' वो बातें,
खट्टी-मीठी वो यादें, वो दिलचस्प खुराफातें ।

बचपन था बहुत रंगीन वो जमाना था हसीन,
नहीं थे हम जीवन की समस्याओं के अधीन,
आज नहीं वो रौनक दिल का कोना गमगीन,
पर जिंदा रखो वो मीठी सौंधी खुशबू नमकीन ।

भ्रष्टाचार की कोख से पोषित व्यवस्थाः संविधान की दुहाई, लोकतंत्र की तबाही और राष्ट्र के भविष्य से गद्दारी!



एनके शर्मा
लेखक



जब व्यवस्था के रक्षक ही व्यवस्था को लूटने लगें, जब संविधान की शपथ स्वार्थ का कवच बन जाए और जब जनसेवा का मुखौटा पहनकर राष्ट्र की संपदा का सौदा होने लगे, तब सवाल केवल भ्रष्टाचार का नहीं, बल्कि राष्ट्र के नैतिक अस्तित्व और लोकतांत्रिक भविष्य का होता है।

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य क्षमता, तकनीकी विकास अथवा विश्व मंच पर उसकी प्रतिष्ठा से निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसकी संस्थाओं की ईमानदारी, शासन की पारदर्शिता और नागरिकों के प्रति सत्ता के उत्तरदायित्व से होती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक देशों में भ्रष्टाचार ने केवल प्रशासनिक व्यवस्था को ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को भी भीतर तक संक्रमित कर दिया है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक राष्ट्र के संदर्भ में यह चुनौती और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि यहां संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों की आशाओं, अधिकारों, समानता और न्याय का आधार है।

सबसे बड़ा दुर्भाग्य तब जन्म लेता है, जब भ्रष्टाचार किसी व्यक्ति का अपराध न रहकर पूरी व्यवस्था की कार्यशैली बन जाता है। जब रिश्वत सुविधा का माध्यम, सिफारिश योग्यता का विकल्प, राजनीतिक संरक्षण अपराध का सुरक्षा कवच और सरकारी पद निजी संपत्ति अर्जित करने का साधन बन जाए, तब समझ लेना चाहिए कि बीमारी केवल कुछ भ्रष्ट चेहरों में नहीं, बल्कि उस तंत्र की नसों में फैल चुकी है, जिसे राष्ट्र की सेवा के लिए बनाया गया था।

विडंबना देखिए कि इसी व्यवस्था के अनेक जिम्मेदार लोग सार्वजनिक मंचों से संविधान, लोकतंत्र, नैतिकता और राष्ट्रभक्ति की दुहाई देते हैं। संविधान की शपथ लेकर सत्ता के गलियारों में प्रवेश करने वाले कुछ लोग जब उसी संविधान की मूल भावना को अपने स्वार्थों के अनुरूप मोड़ने लगते हैं, तब लोकतंत्र का सबसे बड़ा अपमान होता है। संविधान की रक्षा केवल भाषणों, समारोहों और शपथ ग्रहण तक सीमित नहीं हो सकती। उसकी वास्तविक प्रतिष्ठा तब स्थापित होती है, जब अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक को बिना रिश्वत, बिना भेदभाव और बिना राजनीतिक प्रभाव के न्याय तथा अधिकार प्राप्त हों।

भ्रष्टाचार का सबसे भयावह स्वरूप वह है, जिसमें अपराध और सत्ता के बीच अदृश्य गठबंधन स्थापित हो जाता है। ठेके, नियुक्तियां, सरकारी खरीद, भूमि आवंटन, योजनाओं का क्रियान्वयन और सार्वजनिक संसाधनों का वितरण यदि पारदर्शिता के बजाय प्रभाव, आर्थिक लेन-देन और राजनीतिक समीकरणों से संचालित होने लगें, तो विकास का प्रत्येक दावा संदेह के घेरे में आ जाता है। सरकारी खजाने से निकला प्रत्येक रुपया जनता की मेहनत, उसके कर और उसकी उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता है। उस धन की लूट केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि उन गरीब परिवारों के अधिकारों पर हमला है, जिन्हें आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल और सम्मानजनक जीवन के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने वालों को ही व्यवस्था का विरोधी, विकास में बाधक अथवा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बताकर चुप कराने का प्रयास किया जाता है। सवाल पूछना लोकतंत्र का अपराध नहीं, बल्कि उसका अनिवार्य अधिकार है। पत्रकारिता, न्यायपालिका, जांच एजेंसियां और नागरिक समाज लोकतांत्रिक व्यवस्था के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। यदि इन संस्थाओं की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर स्वार्थपूर्ण हस्तक्षेप का दबाव बढ़ता है, तो लोकतंत्र का बाहरी ढांचा भले ही सुरक्षित दिखाई दे, उसकी आंतरिक आत्मा कमजोर होने लगती है।

भ्रष्टाचार का सबसे गहरा प्रहार राष्ट्र के भविष्य अर्थात युवा पीढ़ी पर पड़ता है। जिस देश में प्रतिभा से अधिक पहुंच, परिश्रम से अधिक पैसा और योग्यता से अधिक प्रभाव को महत्व मिलने लगे, वहां युवाओं का व्यवस्था से विश्वास उठना स्वाभाविक है। योग्य विद्यार्थी वर्षों की मेहनत के बाद भी अवसरों से वंचित रह जाए और अयोग्य व्यक्ति आर्थिक अथवा राजनीतिक प्रभाव से महत्वपूर्ण पदों तक पहुंच जाए, तो यह केवल एक अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं, बल्कि राष्ट्र की बौद्धिक पूंजी के साथ विश्वासघात है। ऐसी व्यवस्था प्रतिभाओं को पलायन के लिए विवश करती है और निराशा, असमानता तथा सामाजिक आक्रोश को जन्म देती है।

यह समझना भी आवश्यक है कि भ्रष्टाचार केवल करोड़ों के घोटालों और बड़े राजनीतिक मामलों का नाम नहीं है। कार्यालयों में फाइल आगे बढ़ाने के लिए मांगी जाने वाली रिश्वत, अस्पतालों में सुविधाओं के नाम पर होने वाली अवैध वसूली, शिक्षा संस्थानों में अनियमितताएं, पुलिस व्यवस्था में पक्षपात और आम नागरिक के छोटे-छोटे अधिकारों के लिए होने वाला आर्थिक शोषण भी उसी बीमारी के अलग-अलग चेहरे हैं। जब सामान्य नागरिक अपने ही अधिकारों को प्राप्त करने के लिए रिश्वत देने को विवश हो जाए, तब स्वतंत्रता और सुशासन के दावों की वास्तविक परीक्षा शुरू होती है।

इस संकट के लिए केवल राजनीतिक नेतृत्व को दोषी ठहराकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार को पोषित करने वाली सामाजिक मानसिकता भी उतनी ही दोषी है, जो बेईमानी से अर्जित संपत्ति को सफलता, सत्ता के निकट संबंधों को प्रतिष्ठा और अनुचित लाभ को चतुराई समझने लगी है। चुनावों में धनबल और जातीय-धार्मिक ध्रुवीकरण को प्राथमिकता देकर ईमानदारी, योग्यता और सार्वजनिक चरित्र को गौण कर देना भी लोकतांत्रिक पतन का कारण है। जिस समाज में भ्रष्ट व्यक्ति की आलोचना करने के बजाय उसकी आर्थिक हैसियत और राजनीतिक पहुंच का सम्मान होने लगे, वहां नैतिक पुनर्जागरण की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।

अब समय केवल भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि उसके विरुद्ध निर्णायक संस्थागत परिवर्तन का है। सार्वजनिक खरीद और सरकारी ठेकों में पूर्ण पारदर्शिता, राजनीतिक वित्तपोषण का प्रभावी प्रकटीकरण, समयबद्ध जांच और न्यायिक प्रक्रिया, स्वतंत्र जांच संस्थाएं, भ्रष्टाचार उजागर करने वालों की सुरक्षा तथा सरकारी सेवाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। भ्रष्टाचार के मामलों में कानून का प्रयोग न राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार बने और न सत्ता के प्रभावशाली लोगों के लिए निष्क्रिय दस्तावेज। दोषी चाहे कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, उसे निष्पक्ष जांच और न्यायसंगत सुनवाई के बाद कानून के अनुरूप दंड मिलना चाहिए। यही विधि के शासन की वास्तविक कसौटी है।

अंततः राष्ट्र को यह समझना होगा कि संविधान किसी सत्ता का निजी सुरक्षा कवच नहीं, बल्कि जनता की संप्रभुता का सर्वोच्च आधार है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने, सरकार बनाने और बहुमत प्रदर्शित करने का नाम नहीं; यह जनता के विश्वास, संस्थाओं की स्वतंत्रता, जवाबदेही और न्यायपूर्ण शासन की सतत प्रक्रिया है। सत्ता परिवर्तन लोकतंत्र की उपलब्धि हो सकता है, लेकिन व्यवस्था परिवर्तन उसकी वास्तविक सफलता है।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि भ्रष्टाचार कितना बढ़ गया है, बल्कि यह है कि क्या राष्ट्र उसे सामान्य मानकर स्वीकार करने लगा है? यदि ईमानदार व्यक्ति व्यवस्था में अकेला पड़ जाए, यदि भ्रष्ट व्यक्ति प्रभावशाली और सम्मानित बना रहे तथा यदि जनता अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते-करते निराश हो जाए, तो यह किसी एक सरकार या दल की विफलता नहीं, बल्कि सामूहिक राष्ट्रीय चेतना की पराजय होगी।

याद रखिए, राष्ट्र के साथ गद्दारी केवल सीमाओं पर शत्रु का साथ देने से नहीं होती; जनता के अधिकारों को लूटना, राष्ट्रीय संपदा को निजी स्वार्थ में झोंकना, न्याय को प्रभाव के अधीन करना और आने वाली पीढ़ियों के अवसरों का सौदा करना भी राष्ट्र के भविष्य के साथ गंभीर विश्वासघात है।

अब संविधान की दुहाई देने वालों को उसके मूल्यों के प्रति जवाबदेह होना होगा। लोकतंत्र के नाम पर सत्ता का उपभोग करने वालों को जनसेवा का वास्तविक अर्थ समझना होगा और नागरिकों को भी जाति, धर्म, दल तथा व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर ईमानदार व्यवस्था की मांग करनी होगी। क्योंकि *भ्रष्टाचार से समृद्ध व्यक्ति राष्ट्र को समृद्ध नहीं बना सकता, सत्ता से शक्तिशाली हुआ नेतृत्व राष्ट्र को महान नहीं बना सकता और संविधान की शपथ लेकर संविधान की आत्मा को कुचलने वाली व्यवस्था लोकतंत्र की सच्ची संरक्षक नहीं हो सकती।* राष्ट्र का भविष्य भ्रष्टाचार की कोख में नहीं, बल्कि ईमानदारी, न्याय, जवाबदेही और संवैधानिक मर्यादाओं की नींव पर सुरक्षित हो सकता है। अब निर्णय जनता को करना है—उसे केवल सत्ता के चेहरे बदलने हैं या उस व्यवस्था का चरित्र भी बदलना है, जो राष्ट्र की संभावनाओं को भीतर ही भीतर निगल रही है!

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

गढ़ गंगा कार्तिक मेले को लेकर पुलिस अधिकारियों ने की गोष्ठी

श्रद्धालुओं की भीड़ को सुव्यवस्थित ढंग से नियंत्रित करने तथा प्रत्येक घाट और सेक्टर में सतर्क निगरानी बनाए रखने के दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह







हापुड़। गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुचारु आवागमन और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, मंडलायुक्त मेरठ और पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र ने जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के साथ थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रांतर्गत स्थापित अस्थायी पुलिस लाइन में महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में मेले की ड्यूटी में लगाए गए समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, घाटों के प्रभारियों तथा सेक्टर एवं जोनल प्रभारियों को विशेष रूप से बुलाकर ब्रीफ किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी को उनकी जिम्मेदारियों और ड्यूटी से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेले की सुरक्षा व्यवस्था में प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण है। सभी अधिकारी अपने निर्धारित ड्यूटी स्थल पर समय से पहुंचें और पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र को विभिन्न सेक्टरों और जोन में विभाजित कर निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था संचालित की जाए। प्रत्येक सेक्टर और जोन के प्रभारी अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के साथ लगातार संपर्क और समन्वय बनाए रखें। किसी भी प्रकार की समस्या अथवा अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल उच्चाधिकारियों को जानकारी दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। थाना प्रभारियों और घाटों पर तैनात अधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए घाटों की सुरक्षा व्यवस्था को विशेष महत्व दिया गया। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि घाटों पर तैनात पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करें और श्रद्धालुओं की गतिविधियों पर लगातार नजर रखें। स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो, इसके लिए संबंधित प्रभारी अपने क्षेत्र की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दें। श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आवश्यकतानुसार सहयोग और मार्गदर्शन भी दिया जाए। गोष्ठी में अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान अनुशासन, सतर्कता और आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ शालीन व्यवहार किया जाए और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाए। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय स्थिति की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। वरिष्ठ अधिकारियों ने यह भी निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने-अपने ड्यूटी क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति और जिम्मेदारियों की पूरी जानकारी रखें। ड्यूटी में तैनात पुलिस बल के बीच बेहतर तालमेल बना रहे और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गढ़ गंगा कार्तिक मेला जनपद का महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसमें दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में स्नान और पूजा-अर्चना कर सके।

छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लेने मुनक नहर घाट पहुंचे डीसीपी, सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण

शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित छठ महापर्व संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट, शालीमार बाग थाना प्रभारी भी रहे मौजूद

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी



नई दिल्ली। छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए दिल्ली पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने शालीमार बाग स्थित मुनक नहर के छठ पूजा घाट का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और छठ पूजा के आयोजन से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान शालीमार बाग थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त ने छठ महापर्व के आयोजन को शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों को देखा। उन्होंने घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में भीड़ के प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले से तैयारी करना बेहद जरूरी है। पुलिस प्रशासन इसी को ध्यान में रखते हुए घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहा है। शालीमार बाग स्थित मुनक नहर का छठ पूजा घाट क्षेत्र के प्रमुख पूजा स्थलों में शामिल है। छठ महापर्व के अवसर पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। व्रती महिलाएं और पुरुष कई दिनों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना करते हैं। ऐसे में घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन जाती है। पर्व के दौरान घाटों पर भीड़ बढ़ने के कारण आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है। इसी उद्देश्य से पुलिस अधिकारियों द्वारा आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा की स्थिति उत्पन्न न हो।

पुलिस उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान घाट पर उपलब्ध व्यवस्थाओं और आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियों पर ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों की सक्रियता का उद्देश्य पर्व के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। गौरतलब है कि छठ महापर्व पूर्वांचल सहित देश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। दिल्ली में भी लाखों श्रद्धालु इस पर्व में भाग लेते हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में नहाय-खाय, खरना, सायंकालीन अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य का विशेष महत्व होता है। घाटों पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा पहले से तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। मुनक नहर घाट का निरीक्षण भी इसी व्यवस्था का हिस्सा है। पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि छठ महापर्व श्रद्धा, उत्साह और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

न्यायालय के आदेश पर सांगीपुर पुलिस की कार्रवाई, वारंटी पंकज तिवारी गिरफ्तार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। जनपद में अपराधियों और न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंटियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में थाना सांगीपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट के अनुपालन में एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, थानाध्यक्ष गौरव द्विवेदी के निर्देश पर पुलिस टीम ने न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन), कक्ष संख्या-20 से जारी गिरफ्तारी अधिपत्र के आधार पर मुकदमे से संबंधित वारंटी पंकज तिवारी (34 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय रामलखन तिवारी, निवासी ग्राम लखराव, थाना सांगीपुर, जनपद प्रतापगढ़ को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में एक पुराना परिवाद मामला विचाराधीन है। इसी मामले में न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए सांगीपुर पुलिस ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक हेमंत कुमार वर्मा, कांस्टेबल अमित कुमार यादव तथा कांस्टेबल रामनिवास यादव शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सांगीपुर पुलिस की यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वारंटियों की गिरफ्तारी का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हाफिजपुर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को किया गिरफ्तार, अवैध चाकू बरामद



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हाफिजपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है।पुलिस के अनुसार, थाना हाफिजपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान नवादा रेलवे अंडरपास से आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान भोलू पुत्र सिराज कुरैशी निवासी मोहल्ला भंडापट्टी, थाना हापुड़ नगर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके खिलाफ थाना हापुड़ देहात और हापुड़ नगर में विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई थाना हाफिजपुर प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान के नेतृत्व में की गई।

हापुड़ नगर पुलिस ने गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार, अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त बाइक बरामद

हापुड़। जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए हापुड़ पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।यह कार्रवाई हापुड़ नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार के नेतृत्व में की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जनपद में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस टीम संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करेगी।

पिलखुवा पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना पिलखुवा पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे एवं निशानदेही पर हापुड़ और दिल्ली से चोरी की गई चार मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए चारों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं। इनके विरुद्ध जनपद हापुड़ और दिल्ली में चोरी सहित अन्य मामलों में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।यह कार्रवाई अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। थाना पिलखुवा पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।थाना पिलखुवा कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस की इस कार्रवाई को वाहन चोरी के मामलों के खुलासे के रूप में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चुनाव से पहले प्रतापगढ़ पुलिस में बड़ा फेरबदल, 27 नए निरीक्षकों की आमद

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। आगामी चुनाव को लेकर जिले की पुलिस व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। कानून-व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने तथा चुनावी तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से प्रतापगढ़ पुलिस महकमे में निरीक्षकों की नई तैनाती की गई है। जिले से 21 निरीक्षकों के गैरजनपद तबादले के बाद अब 27 नए निरीक्षकों की आमद हुई है। इनमें 24 पुरुष और तीन महिला निरीक्षक शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, एडीजी प्रयागराज जोन के आदेश पर फतेहपुर से 18 और कौशाम्बी से छह निरीक्षकों को प्रतापगढ़ भेजा गया है। वहीं, चुनाव आयोग के निदेर्शों के क्रम में किए गए इस फेरबदल को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। नए निरीक्षकों के जिले में पहुंचने के बाद अब पुलिस महकमे में तैनाती को लेकर हलचल तेज हो गई है। जल्द ही इन्हें जिले के विभिन्न थानों और कोतवालियों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नई तैनाती के साथ कई थानों की कमान बदलने की भी संभावना है।

आगामी चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन अपनी तैयारियों को मजबूत करने में जुटा है। निरीक्षकों के इस बड़े फेरबदल को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। नए अधिकारियों की तैनाती के बाद जिले की पुलिसिंग, कानून-व्यवस्था और चुनावी सुरक्षा व्यवस्था में नई जिम्मेदारियां देखने को मिलेंगी। अब सबकी निगाहें पुलिस विभाग की आगामी तैनाती सूची पर टिकी है।

गढ़ गंगा कार्तिक मेले की सुरक्षा व्यवस्था का एडीजी, मंडलायुक्त और डीआईजी ने किया निरीक्षण









वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में 13 नवंबर को अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन, मंडलायुक्त मेरठ और पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र ने जिलाधिकारी कविता मीणा, पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह तथा जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर के साथ थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में स्थित मेला स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरे मेला क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं के स्नान के लिए तैयार किए गए विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं तथा सुरक्षा इंतजामों की स्थिति को बारीकी से परखा। अधिकारियों ने घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही और स्नान व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि स्नान घाटों पर व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहें और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में सुरक्षा प्रबंधों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाएं और आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। मेला क्षेत्र में सुरक्षा एवं सुविधा से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली जाएं, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलू पर विशेष ध्यान दिया जाए। घाटों सहित पूरे मेला क्षेत्र में व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहें और श्रद्धालुओं को आवागमन, स्नान तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। इसके लिए सभी विभाग पहले से अपनी तैयारियों की समीक्षा करें और कमियों को समय रहते दूर करें। गढ़ गंगा कार्तिक मेला धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मेले की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना पुलिस और प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और सुविधा से संबंधित व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने विभाग की तैयारियों को समय से पूरा करें और मेले के दौरान भी लगातार निगरानी बनाए रखें। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। प्रशासन का उद्देश्य है कि गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में अपनी धार्मिक गतिविधियां संपन्न कर सकें और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान दिए गए निदेर्शों के अनुसार संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से व्यवस्थाएं दुरुस्त करने और अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कहा गया, ताकि गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

प्रवासी उत्तराखण्डी राज्य की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण सहभागी हैं: मुख्यमंत्री धामी

वेलकम इंडिया/ओ पी उनियाल





देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज दून विश्वविद्यालय में आयोजित तृतीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन में प्रतिभाग किया। उन्होंने देशभर से आए प्रवासी उत्तराखण्डियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में ऐसा अनुभव हो रहा है, जैसे एक ही परिवार के सदस्य लंबे समय बाद अपने घर लौटकर एक स्थान पर एकत्र हुए हों। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले उत्तराखण्डियों का अपनी मातृभूमि से भावनात्मक जुड़ाव सदैव बना रहता है। अपनी संस्कृति, परंपराओं और जड़ों से जुड़े रहना हम सभी के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी उत्तराखण्डी अपनी प्रतिभा, परिश्रम और उपलब्धियों से विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उनके अनुभव, ज्ञान, संसाधन और सामर्थ्य का लाभ राज्य के विकास को भी मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांवों को गोद लेकर उनके विकास में योगदान देने की पहल करने वाले 30 प्रवासी उत्तराखण्डियों का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पहल अपनी मातृभूमि के प्रति प्रवासियों के लगाव और सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण है। इससे अन्य प्रवासी उत्तराखण्डी भी अपने गांवों के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड ने बीते वर्षों में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्य के बजट और प्रति व्यक्ति आय में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ रोजगार, स्वरोजगार, पर्यटन, कृषि, बागवानी और औद्योगिक विकास को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में सख्त नकल विरोधी कानून लागू कर भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है। पिछले पांच वर्षों में 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। इसके साथ ही 13 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में 3.5 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इन महिलाओं को जल्द ही प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अतिथि शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, आशा तथा भोजन माताओं के मानदेय में भी जल्द वृद्धि करेगी। सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृषि एवं बागवानी को रोजगार और स्वरोजगार का महत्वपूर्ण माध्यम बनाने के लिए एप्पल मिशन, कीवी मिशन और तिमुर मिशन जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से शुरू किए गए हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के माध्यम से छह करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और विपणन से किसानों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों को नए अवसर मिल रहे हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क, रेल, हवाई संपर्क और अन्य आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। देहरादून और आसपास के क्षेत्रों की दीर्घकालिक पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सौंग बांध परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना से आगामी 50 वर्षों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमरानी बांध और लखवाड़ बांध परियोजनाओं पर भी कार्य आगे बढ़ रहा है, जबकि किशाऊ बांध परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किच्छा में एम्स के सैटेलाइट सेंटर की स्थापना, पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तार और प्रदेश में हेलीपोर्ट निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

पैमाइश कराकर राजस्व टीम ने चकमार्ग को कराया कब्जामुक्त

आईकलां में चकमार्ग पर कब्जे की शिकायत पर तहसीलदार ने गठित की थी टीम

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/चौमुहाँ। छाता तहसील क्षेत्र के गांव आईकलां में चकमार्ग पर अवैध कब्जे की शिकायत पर राजस्व विभाग की टीम ने पैमाइश कराकर चकमार्ग को कब्जामुक्त कराया। राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीन की नापजोख की और चकमार्ग की स्थिति स्पष्ट करते हुए कब्जा हटवाने की कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी महंत हरीकांत ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि राजस्व ग्राम आईकलां में चकमार्ग संख्या 54 पर कब्जा कर लिया गया है। शिकायत के निस्तारण के लिए तहसीलदार छाता ने राजस्व टीम गठित कर मौके पर पहुंचकर पैमाइश करने के निर्देश दिए थे। तहसीलदार नितिन कुमार के आदेश पर नायब तहसीलदार चौमुहाँ रूबी यादव के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक चौमुहाँ हरीश चंद्र, क्षेत्रीय लेखपाल अकबरपुर गोविंद सारस्वत और लेखपाल चौमुहाँ योगेंद्र की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने नियमानुसार चकमार्ग की पैमाइश कराई और उसे कब्जामुक्त कराया। तहसीलदार ने राजस्व टीम को नियमानुसार कार्रवाई कर आख्या कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। कार्रवाई के बाद चकमार्ग को लेकर की गई शिकायत का निस्तारण किया गया। चकमार्ग को कब्जामुक्त कराए जाने के बाद ग्रामीणों ने राजस्व विभाग की कार्रवाई को महत्वपूर्ण बताया। ग्रामीण क्षेत्रों में चकमार्गों का उपयोग खेतों तक आवागमन और कृषि कार्यों के लिए किया जाता है। ऐसे सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण होने से किसानों और निवासियों को परेशानी होती है। प्रशासन ने कहा कि सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलने पर नियमानुसार जांच और कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने अभिलेखों के आधार पर स्थिति का मिलान किया और शिकायत का निस्तारण कराया। इस कार्रवाई से गांव में रास्ते को लेकर समस्या दूर होने की उम्मीद है। साथ ही, ग्रामीणों को आवागमन में अब सुविधा मिलेगी।

पांच जिलों में हल्की बारिश, ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार

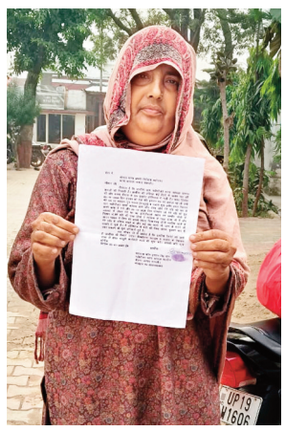
वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में शनिवार को हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का भी अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूवार्नुमान के अनुसार 14 नवंबर को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। जबकि 3200 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पर्वतीय इलाकों के मौसम में होने वाले बदलाव का सीधा असर तापमान में देखने को मिलेगा। इसके साथ पहाड़ी क्षेत्रों के अलावा मैदानी इलाकों में ठंडा होगा। वहीं, शुक्रवार के मौसम की बात करें तो दिन भर चटक धूप खिलने से ठंड का अहसास कम हुआ। हालांकि सुबह-शाम के साथ दिन में भी ठंड महसूस हुई। आकड़ों पर नजर डालें तो दून में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 26.2 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री के साथ सामान्य रहा। ऐसा ही हाल प्रदेश के अन्य इलाकों में भी देखने को मिला। शहर में पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज बदल गया है। शुक्रवार सुबह हुई हल्की बूंदाबांदी और लगातार बादल छाए रहने से ठंड बढ़ गई है। तापमान में गिरावट के कारण लोगों को सर्दी परेशान करने लगी है। मौसम में बदलाव के चलते लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं और सुबह-शाम गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। शाम होते ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ठंड का असर बढ़ने लगता है। स्थानीय लोग और कामकाजी लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं।

पति की हत्या कर शव दफनाने का लगाया आरोप, दो लोगों के खिलाफ दी गई तहरीर

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद थाने पहुंची महिला, पुलिस से लगाई कार्रवाई की गुहार

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ीदौलत निवासी एक महिला ने गांव के ही दो लोगों पर उसके पति की हत्या कर शव को दफनाने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ीदौलत निवासी फरजाना पत्नी इमरान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी तबीयत कई दिनों से खराब चल रही थी। इसके चलते वह कैराना के एक निजी अस्पताल में भर्ती थी। आरोप है कि विगत आठ नवंबर को उसका पति इमरान घर पर अकेला था। इसी दौरान गांव के दो लोग पिता पुत्र उसके घर पहुंचे और उसके पति को अपने साथ ले गए। महिला का आरोप है कि नौ नवंबर को दोनों व्यक्ति उसके पति का शव घर लेकर पहुंचे। शव पर गंभीर चोटों के निशान थे। आरोप है कि दोनों ने साजिश के तहत हत्या करने के बाद बिना उसे बताए आनन-फानन में शव को दफना दिया।महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी पहले भी उसके पति को जान से मारने की धमकी दे चुके थे। उसने डायल 112 पर सूचना देने का भी दावा किया, और पुलिस चौकी पर पहुंच कर भी मामले की सूचना दी थी। लेकिन सुनवाई नहीं होने का आरोप लगाया। शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद महिला थाने पहुंची और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं है जानकारी कर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट में घायल युवक की मेरठ में उपचार के दौरान मौत, दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

एसडीएम सदर के आश्वासन पर परिजनों ने किया अंतिम संस्कार, पुलिस ने आरोपियों की तलाश की शुरू





वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा में छह नवंबर को सड़क किनारे लहूलुहान हालत में मिले युवक की मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया था। परिजनों ने दो युवकों पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया था।शव पीएम से आने के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया और मुआवजे की मांग पर अड गए। मौके पर एसडीएम सदर क्षेत्र अधिकारी व पुलिस बल पहुंचा और परिजनों को मदद का आरोपियों पर कार्रवाई व मदद का आश्वासन दिया इसके बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा निवासी विमला पत्नी महावीर ने थाने में दी तहरीर में बताया कि विगत छह नवंबर की शाम करीब पांच बजे उसका पुत्र संजय घर पर था। आरोप है कि गांव के ब्रजवीर पुत्र निर्मल और पप्पन उर्फ प्रदीप पुत्र हरबीर उसे बहाने से अपने साथ ले गए। इसके बाद धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर कैंची पुल पर फेंककर फरार हो गए। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और संजय को सीएचसी कांधला ले गए। जहां से उसे मेरठ रेफर कर दिया गया था।उपचार के दौरान विगत 12 नवंबर को संजय ने दम तोड़ दिया। गुरुवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद शव गांव में पहुंचा। और परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर जाम लगाने की तैयारी शुरू कर दी.जाम लगाने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को समझाया। लेकिन ग्रामीण व परिजन नहीं माने और अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। शुक्रवार सवेरे पीड़ित परिजनों की जिद पर एसडीएम सदर सचिन राजपूत क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों की मांग पर जल्दी कार्रवाई व मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद मृतक का परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया था। एसडीएम सचिन राजपूत ने बताया कि पीड़ित परिजनों को एससी एसटी एक्ट के तहत सरकार की ओर से दी जाने वाली मदद के तहत मुआवजा दिया जाएगा, और मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जल्दी आरोपियों की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

एसएसपी ने चलाई तबादला एक्सप्रेस, 147 दरोगा किए इधर से उधर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए एसएसपी श्लोक कुमार ने 147 उपनिरीक्षकों के तबादले किए हैं। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के मद्देनजर पुलिस महकमे में यह बड़ा बदलाव किया गया है। पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत कई वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात दरोगाओं को हटाकर दूसरे स्थानों पर नई तैनाती दी गई है। पुलिस महानिरीक्षक स्थापना, उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के अनुपालन में किए गए इन तबादलों के बाद पुलिस विभाग में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। एसएसपी के इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

तरौली में दो पक्षों के बीच मारपीट, युवक और प्रधान प्रतिनिधि की पिटाई के वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना छाता क्षेत्र के गांव तरौली में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद लगातार दो दिन मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं। पहले पक्ष के एक युवक के साथ मारपीट हुई, जबकि अगले दिन दूसरे पक्ष के प्रधान प्रतिनिधि को भी कथित रूप से पीटा गया। दोनों घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

पहली घटना 8 नवंबर की रात करीब साढ़े 11 बजे की बताई जा रही है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, विजय सिंह के भाई पूरन सिंह मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में हुए विवाद के बाद भरतो, उमेश और हिमांशु समेत अन्य लोगों ने उन पर लाठी-डंडों और हथियारों से हमला कर दिया। मारपीट में पूरन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए केडी अस्पताल अकबरपुर में भर्ती कराया गया। वायरल वीडियो में उनके चेहरे, मुंह और शरीर पर चोटों के निशान दिखाई दे रहे हैं।

दूसरी घटना में अगले दिन प्रधान प्रतिनिधि भरत सिंह ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि घर जाते समय रतन, विजय सिंह समेत छह लोगों ने उन्हें घेर लिया और नाली में डालकर मारपीट की। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। लगातार दो दिन हुई मारपीट की घटनाओं के वीडियो वायरल होने के बाद गांव में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों और वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

भाजपा देश व प्रदेश में नफरत का माहौल बना रही है लेकिन हम सफल नहीं होने देंगे: अजय राय

जामिया अरबिया उमर फारूक रहीमनगर दरियाबाद में आल इंडिया नातिया मुशायरा का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता





संतकबीरनगर। विकास खण्ड सेमरियावा के गांव दरियाबाद स्थित जामिया अरबिया उमर फारूक रहीमनगर दरियाबाद में आल इंडिया नातिया मुशायरा का आयोजन किया गया। इस दौरान मुल्क भर से आये शोअरा ने अपने कलाम से लोगों को महजूज किये। कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित राजनीतिक हस्तियों ने शिरकत की। सेमरियावा ब्लाक के जामिया अरबिया उमर फारूक रहीमनगर दरियाबाद में आल इंडिया नातिया मुशायरा का आयोजन किया गया।इस दौरान मुख्य अतिथि कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आल इंडिया तहफ्फुजे मदारिस के अध्यक्ष मौलाना नूरूल होदा कासमी और संचालन असलम परवाना ने किये। नातिया मुशायरा पूरी रात चला। अल्लाह और रसूल के जिक्र से पूरा माहौल नूरानी हो गया। सुब्हानल्लाह और माशाअल्लाह की सदाएं गूंज उठीं। मोजम्मिल हयात ने पढ़ा कि कुछ ऐसी बेखुदी है तेरे इंतजार में, तस्वीर बन चुका हूँ तेरे इंतजार में पढ़कर लोगों को माशाअल्लाह कहने पर मजबूर किया तो वहीं असलम परवाना ने तू शामे रिसालत है आलम तेरा परवाना, तू माहे नबूवत है ऐ जलवए जानाना ने खूबसूरत अंदाज में पढ़ा। असद बस्तवी ने नात पेश करते हुए यूं पढ़ा कि दुनिया की चमक से दूर रहो, ईमान की दौलत पास रहे, हर वक़्त दरूद-ओ-सलाम पढ़ो,महबूब-ए-खुदा का एहसास रहे पढ़कर ईमान में हरारत डालने की कोशिश की। सरताज सुल्तानपूरी ने बुलबुल तेरे होठों पे किसका तराना है पढ़कर माहौल को और भी नूरानी बना दिया। फखरूल इस्लाम, शमशीर जहानागंज, फारूक दिलकश, शारिक इनामी, शराफत बिसवानी, अब्दुल्लाह बहराइची, अतहर फैजी, डॉ. एन एन श्रीवास्तव बेचैन आदि शोअरा ने पूरी रात लोगों को महजूज करते हुए सुब्हानल्लाह और माशाअल्लाह कहने पर मजबूर कर दिया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय ने इससे पूर्व अपने सम्बोधन में देश व प्रदेश की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में नफरत का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने कई जगहों पर मस्जिद और मदरसों पर बुलडोज किये जाने पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में किसी पर भी जुल्म होगा तो वह जिस तरह खड़े होते रहे हैं उसी तरह आगे भी लड़ते रहेंगे। लेकिन भाजपा की साजिशों को सफल नहीं होने देंगे। डरने की कोई जरुरत नहीं है। वाराणसी सीट की 12 बजे शाम 4 बजे तक की गिनती का अपडेट चुनाव आयोग को सार्वजनिक करना चाहिए। कार्यक्रम को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय ने भी सम्बोधित किये। इस अवसर पर पूर्व विधायक सदल प्रसाद,कांग्रेस नेता महमूद खान, ई. फजलुल्लाह नूर, मौलाना रहमतुल्लाह नूर कासमी, मोईन अंसारी, अहमद जमाल अंसारी, कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के जिलाध्यक्ष मुहम्मद परवेज अख्तर, नीलम चतुर्वेदी, माइनॉरिटी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव डॉ. मारूफ अली, मोहम्मद अफजल सहित सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे। सपा के मुहम्मद अहमद, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सय्यद मोहम्मद दानिश, मोहम्मद शफीक नेता, खुर्शीद आलम, रोहित पाण्डेय आदि भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेम, इंसानियत, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया। श्रोताओं ने भी शायरों की प्रस्तुतियों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया और बार-बार तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया। आयोजकों ने अतिथियों और दूर-दराज से पहुंचे सभी शायरों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया। अंत तक मुशायरे का माहौल शेरो-शायरी, वाहवाही और साहित्यिक रंगों से सराबोर रहा।

धनाराघाट पर दो नावों के भरोसे हजारों की जिंदगी, घंटों कतार में खड़े रहने के लिये मजबूर हैं राहगीर

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। धनाराघाट नदी पर आवागमन के लिए पर्याप्त नावों की व्यवस्था न होने से राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नदी पार कराने के लिए मात्र दो नावों का संचालन होने से हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। यात्रियों की संख्या अधिक होने और नावों की कमी के चलते नदी के दोनों किनारों पर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं।लोगों को नदी पार करने के लिए पांच से छह घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है।इसके चलते रोजमर्रा के कामकाज से लेकर तहसील और जिला मुख्यालय पहुंचने तक लोगों का पूरा दिन बर्बाद हो रहा है।धनाराघाट नदी के पार बसे गांवों के लोगों के लिए यह रास्ता बेहद महत्वपूर्ण है। क्षेत्र के ग्रामीणों को सरकारी कामकाज, जरूरी दस्तावेज बनवाने, अधिकारियों से मिलने, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए तहसील व जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। लेकिन नावों की सीमित संख्या के कारण समय पर गंतव्य तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। सुबह घर से निकलने वाले लोगों का कई घंटे नदी किनारे ही गुजर जा रहे हैं। लंबी कतार में खड़े बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।राहगीरों का कहना है कि दो नावों के सहारे इतनी बड़ी संख्या में लोगों को नदी पार कराना पर्याप्त नहीं है। नावों की कमी के कारण यात्रियों को अपनी बारी आने का घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार जरूरी काम होने के बावजूद लोग समय से तहसील या जिला मुख्यालय नहीं पहुंच पाते। इससे लोगों के सरकारी और निजी दोनों तरह के काम प्रभावित हो रहे हैं।सबसे चिंताजनक स्थिति उन लोगों के सामने है, जिन्हें किसी जरूरी काम से अस्पताल, तहसील या अन्य सरकारी कार्यालय पहुंचना होता है। घंटों इंतजार के कारण उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। नदी पार करने की यह समस्या अब क्षेत्र के लोगों के लिए रोजाना की चुनौती बनती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक नावों की संख्या नहीं बढ़ाई जाएगी, तब तक इस समस्या से राहत मिलना मुश्किल है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से घनाराघाट नदी पर अतिरिक्त नावों की व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि राहगीरों को घंटों कतार में खड़े होकर अपना समय बर्बाद न करना पड़े और वे सुरक्षित व समय से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

गुरु के दरबार से निकली प्रभात फेरी, शब्द कीर्तन और अरदास से गूंजा पूरनपुर

झाड़ू सेवा से लेकर लंगर तक, प्रभात फेरियों में दिख रही सेवा और समर्पण की मिसाल

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर नगर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। ब्लॉक रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी प्रभात फेरियों का आयोजन किया जा रहा है। 10 नवंबर से शुरू हुआ प्रभात फेरियों का सिलसिला 24 नवंबर तक जारी रहेगा।शुक्रवार को गुरुद्वारा साहिब से प्रभात फेरी निकाली गई। यह ब्लॉक चौराहा और सिरसा चौराहा होते हुए पंकज कॉलोनी में बलवीर सिंह के आवास पर पहुंची। यहां भाई गुरमेज सिंह के जत्थे ने गुरुवाणी के शब्द कीर्तन से संगत को निहाल किया। हेड ग्रंथी भाई जसपाल सिंह ने अरदास की। इसके बाद गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। प्रभात फेरी में लाभ सिंह, हरविंदर सिंह, बलजीत सिंह, अमरजीत सिंह, सुरजीत सिंह और सुखदेव सिंह सहित तमाम श्रद्धालु शामिल रहे। वहीं, भाई देविंदर सिंह ढिल्लों का जत्था प्रतिदिन प्रभात फेरी के आगे झाड़ू लगाकर सेवा कर रहा है। सेवा और समर्पण की यह परंपरा संगत को गुरु की शिक्षाओं से जोड़ रही है। हेड ग्रंथी भाई जसपाल सिंह ने बताया कि 24 नवंबर तक प्रभात फेरियां जारी रहेंगी। इसके बाद दोपहर में गुरुद्वारा साहिब में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में भव्य दीवान सजाया जाएगा।

मैदान पर खिलाड़ियों ने दिखाया दम, बहराइच और धोसियाना ने मारी बाजी

नेपाल को 3-1 से हराया, गोला की टीम ने 1-0 से जीतकर फाइनल में बनाई जगह

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। फुटबॉल टूर्नामेंट में खेले गए अंतिम क्वार्टर फाइनल और पहले सेमीफाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। दोनों मुकाबलों में टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। क्वार्टर फाइनल में माईकल एलिवेन क्लब बहराइच ने एलिवेन स्टार नेपाल को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि पहले सेमीफाइनल में धोसियाना फुटबॉल क्लब गोला ने नवोदय यूथ क्लब ज्ञानपाप को 1-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।दिन का चौथा और अंतिम क्वार्टर फाइनल मुकाबला बहराइच और नेपाल की टीमों के बीच खेला गया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाया, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में बहराइच के खिलाड़ी विवेक साहू ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके करीब दस मिनट बाद नेपाल की टीम ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद बहराइच के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और लगातार हमले करते हुए दो और गोल दाग दिए। इस तरह बहराइच ने 3-1 से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।इसके बाद पहले सेमीफाइनल में नवोदय यूथ क्लब और धोसियाना फुटबॉल क्लब गोला आमने-सामने आए। पहले हाफ में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में धोसियाना क्लब के खिलाड़ी हर्बु ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन कोई अन्य गोल नहीं हो सका। धोसियाना क्लब ने 1-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।निर्णायक गोल करने वाले धोसियाना क्लब के खिलाड़ी हर्बु को मैन ऑफ द मैच चुना गया। आयोजन का संचालन जयदेव सरदार ने किया। इस दौरान गौतम मंडल, मोहन राय, रविन्द्र नाथ सरकार, मिथुन मंडल, प्रमोद कीर्ति, सुबोध सरकार, विद्युत मंडल, मनोज, प्रवेश सरकार, ग्राम प्रधान वासुदेव मुर्मू, बलबीर सिंह, कर्मजीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुकाबलों के बाद दर्शकों में फाइनल को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

खरीदे गए प्लॉटों पर कब्जे की कोशिश का आरोप

विरोध करने पर विवाद बढ़ने की शिकायत लेकर कोतवाली पहुंचे लोग

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर, पीलीभीत। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अहमद नगर में खाली पड़े प्लॉटों को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों ने कुछ लोगों पर जमीन पर कब्जे का प्रयास करने और विरोध करने पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को मोहल्ले के कई लोग कोतवाली पहुंचे और पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की।शिकायतकताओं के मुताबिक, 12 नवंबर की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे दीपक कुमार खंडेलवाल अपने साथ अंकुर गुप्ता सहित कुछ अन्य लोगों को लेकर मोहल्ला अहमद नगर पहुंचे थे। आरोप है कि इन लोगों ने गाटा संख्या 417 में स्थित खाली प्लॉटों पर कब्जे का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने जब इसका विरोध किया तो मौके पर कहासुनी और विवाद की स्थिति बन गई।शिकायती पत्र में कहा गया है कि संबंधित जमीन पर कई दशकों से आबादी बसी हुई है। लोगों ने बैनामा और रजिस्ट्री के आधार पर जमीन खरीदकर अपने मकान बना रखे हैं। आरोप है कि दीपक कुमार खुद को कुंजी लाल का पोता बताकर आए दिन स्थानीय लोगों को परेशान कर रहे हैं।इससे पहले 21 सितंबर को भी जमीन को लेकर शिकायत की गई थी। उस समय गाटा संख्या 421 पर अपना दावा जताया गया था।स्थानीय लोगों के अनुसार, पूर्व में तहसील प्रशासन की राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी। जांच के दौरान जमीन को आबादी क्षेत्र बताते हुए मामले में न्यायालय की शरण लेने की सलाह दी गई थी। इसके बावजूद अब दूसरे गाटा संख्या में पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाने का आरोप लगाया जा रहा है।शिकायतकताओं ने आशंका जताई है कि इस तरह की गतिविधियों से मोहल्ले में तनाव की स्थिति बन सकती है और कोई अप्रिय घटना हो सकती है। उन्होंने पुलिस से पूरे प्रकरण की जांच कर जमीन से जुड़े दस्तावेजों और लगाए गए आरोपों का सत्यापन कराने की मांग की है। इस दौरान जीशान, कामरान, सरताज, साजिद, तहसीन रजा, फारुक, सद्दाम, रियासत और रिजवान सहित कई लोग मौजूद रहे।

चोरी का ट्रैक्टर-ट्रॉली 24 घंटे में बरामद, फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी को दबोचा

वेलकूम इंडिया/मयूर खान



आगरा। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में आगरा पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने चोरी की घटना का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एक ट्रैक्टर मय ट्रॉली बरामद किया है।

कार्रवाई के बाद पुलिस ने चोरी की घटना में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार कर बरामद ट्रैक्टर-ट्रॉली अपने कब्जे में ले ली। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के अभियान को गति मिली है। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में आगरा पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। फतेहाबाद पुलिस की इस कार्रवाई में घटना के महज 24 घंटे के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी के वाहन की बरामदगी प्रमुख रही।

बिजलीघर चौराहे पर यातायात पुलिस का विशेष अभियान, अवैध ठेले और बेतरतीब खड़े ऑटो-ई-रिक्शा हटवाए

चौराहे को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था सुधारने पर जोर, पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का भी किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया/मयूर खान





आगरा। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से आगरा यातायात पुलिस ने यातायात माह-2026 के तहत अभियान तेज कर दिया है। प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम और अतिक्रमण की समस्या को कम करने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 13 नवंबर को पुलिस उपायुक्त यातायात ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद के निर्देशन में बिजलीघर चौराहे पर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वाले अनाधिकृत ठेलों और सड़क किनारे बेतरतीब खड़े ऑटो एवं ई-रिक्शा को हटवाया गया। यातायात निरीक्षक दुष्यंत राणा के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान बिजलीघर चौराहे के आसपास सड़क और यातायात मार्गों का निरीक्षण किया गया। पुलिस टीम ने चौराहे पर अनाधिकृत रूप से खड़े फल-सब्जी के ठेलों को हटवाया। इसके साथ ही ऐसे ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को भी वहां से हटाया गया, जिनके वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े होने के कारण यातायात संचालन में बाधा पैदा कर रहे थे। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य चौराहे पर वाहनों की आवाजाही को सुचारु बनाना और अनावश्यक रुकावटों को दूर करना रहा। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने चौराहे पर वाहनों के आवागमन की स्थिति का जायजा लिया। सड़क पर अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों और ठेलों के कारण यातायात मार्ग प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित लोगों को आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि प्रमुख चौराहों पर अतिक्रमण और बेतरतीब वाहन खड़े करने से आम वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल चलने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। ऐसी स्थिति में जाम लगने की आशंका बढ़ जाती है और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगता है। विशेष अभियान के दौरान यातायात निरीक्षक दुष्यंत राणा ने चौराहे पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों की तैनाती और उनके कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्हें यातायात को सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए ब्रीफ किया। उन्होंने निर्देशित किया कि ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाए और चौराहे पर वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रखने के लिए लगातार निगरानी की जाए। यातायात पुलिस का जोर इस बात पर रहा कि चौराहे पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक अवरोध न बने और वाहन चालकों को बिना परेशानी के आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके लिए ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित एवं उपयुक्त स्थानों पर ही वाहन खड़े करने के निर्देश दिए गए। वहीं ठेला संचालकों को भी सड़क और चौराहे के यातायात क्षेत्र में अनधिकृत रूप से ठेले खड़े न करने के प्रति जागरूक किया गया। आगरा यातायात पुलिस का कहना है कि यातायात माह-2026 के तहत शहर के प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर व्यवस्था सुधारने के लिए अभियान जारी रहेगा। अतिक्रमण और अनावश्यक रूप से खड़े वाहनों के कारण यातायात प्रभावित होने की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वोट और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस का सत्याग्रह, हरथला रामलीला मैदान में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता

महात्मा गांधी के अहिंसा के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प, राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करने का किया ऐलान

वेलकम इंडिया संवाददाता



मुरादाबाद। शहर के हरथला रामलीला मैदान में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ओर से सत्याग्रह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी के विचारों और उनके बताए अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान वक्ताओं ने देश के मौजूदा राजनीतिक हालात, चुनाव प्रक्रिया और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनील पवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ संगठन के नेशनल ट्रेनर एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विजेंद्र सिंह नरवाल, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) मजहर खान और संगठन के जिला अध्यक्ष फहीम मलिक सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मजहर खान ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर मुरादाबाद में सत्याग्रह का आयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को महात्मा गांधी के विचारों और उनके बताए अहिंसा के मार्ग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आज समाज और देश के सामने अनेक चुनौतियां हैं। ऐसे समय में लोगों को हिंसा और अहिंसा के बीच का अंतर समझना तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। देश और नौजवानों की तरक्की के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। मुख्य अतिथि डॉ. सुनील पवार ने कहा कि देशभर में मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर सत्याग्रह किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवाल देश के सामने उठा रहे हैं। उन्होंने बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनावों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से मतदाता सूची प्रभावित किए जाने का आरोप लगाया। साथ ही दावा किया कि उत्तर प्रदेश में भी करीब चार करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। उन्होंने उत्तराखंड और पंजाब में भी बूथों को निशाना बनाकर मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंका जताई। ये आरोप और आंकड़े डॉ. पवार ने अपने संबोधन के दौरान रखे। डॉ. पवार ने कहा कि यह समय संघर्ष के साथ-साथ जागरूकता बढ़ाने का भी है। कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह घर-घर और गांव-गांव जाकर लोगों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करे। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने बूथ के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) के संपर्क में रहें और मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि किसी मतदाता का नाम सूची में नहीं है, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे जुड़वाने के लिए आवेदन करें। इसके साथ ही नए और पात्र मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवश्यक प्रपत्र भरवाएं, ताकि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। मतदान का अधिकार केवल चुनाव के दिन वोट डालने तक सीमित नहीं है, बल्कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे आम लोगों को संवैधानिक अधिकारों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की जानकारी दें तथा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सैकड़ों कार्यकताओं ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे अपने वोट की रक्षा, संविधान की मजबूती और लोकतांत्रिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे। कार्यकताओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश के निर्माण में योगदान देने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक की भागीदारी रही और सभी ने सत्याग्रह के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। इस अवसर पर डॉ. सुनील पवार, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज संगठन, विजेंद्र सिंह नरवाल, नेशनल ट्रेनर एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी, मजहर खान, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश, फहीम मलिक, जिलाध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के अलावा शाहनवाज मलिक, रेहान मलिक, शिवा, अरबाज, शकील सैफी, अजय कुमार, शिवम सिंह, शमसुल, आदिल, राहुल, सरफराज, पप्पू सैनी, पीतम सिंह और बबलू सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

आईसीएआई वाराणसी शाखा का रेरा और ब्याज सब्सिडी पर सेमिनार

रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और घर खरीदारों के अधिकारों पर विशेषज्ञों ने दी विस्तृत जानकारी; परियोजना पंजीकरण, वित्तीय ऑडिट और सरकारी सब्सिडी योजनाओं के कानूनी पहलुओं पर हुआ मंथन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने, घर खरीदारों के हितों की रक्षा करने और सरकारी सब्सिडी योजनाओं की जानकारी आमजन एवं व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों तक पहुंचाने के उद्देश्य से दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), नई दिल्ली द्वारा आयोजित तथा आईसीएआई की वाराणसी शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मलदहिया स्थित होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल में आयोजित इस सेमिनार में रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) अधिनियम, 2016 (रेरा) और ब्याज सब्सिडी योजनाओं के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, वित्तीय विशेषज्ञों और अन्य प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े कानूनी प्रावधानों, नियामक व्यवस्था, आवश्यक अनुपालन, वित्तीय ऑडिट तथा सरकार की विभिन्न सब्सिडी योजनाओं के लाभ और प्रक्रियाओं की जानकारी साझा की।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईसीएआई की कमर्शियल लॉ एंड इकोनॉमिक एडवाइजरी कमेटी के वाइस चेयरमैन सीए पुरुषोत्तम लाल खंडेलवाल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वाराणसी शाखा के अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा ने किया। सेमिनार का संचालन सीए सोनिया अग्रवाल एवं सीए मोहम्मद शान अनवर ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सीए रविंदर कुमार एवं सीए अमित कपूर ने की। अतिथियों और वक्ताओं का स्वागत करते हुए कार्यक्रम में रियल एस्टेट क्षेत्र में बदलते कानूनी और आर्थिक परिदृश्य के बीच चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया। सेमिनार के प्रथम सत्र में वक्ता सीए योगेश कुमार गोयल ने रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत नियामक ढांचे, आवश्यक अनुपालन और वर्तमान में उभर रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेरा अधिनियम लागू करने का प्रमुख उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से घर खरीदारों के हितों की रक्षा करने के साथ बिल्डरों, प्रमोटर्स और रियल एस्टेट एजेंटों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गई हैं।

उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार में रेरा के अंतर्गत परियोजनाओं के पंजीकरण की प्रक्रिया, निर्माण कार्य पूरा करने की निर्धारित समयसीमा, प्रमोटर्स एवं एजेंटों की वैधानिक जिम्मेदारियों तथा आवंटियों के अधिकारों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि किन परियोजनाओं के लिए रेरा पंजीकरण अनिवार्य है और पंजीकरण संबंधी नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित पक्षों के विरुद्ध किस प्रकार के दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं। सीए योगेश कुमार गोयल ने परियोजनाओं के वित्तीय प्रबंधन और ऑडिट की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रेरा के तहत परियोजनाओं से संबंधित वित्तीय लेनदेन और निर्धारित अनुपालन की निगरानी बेहद आवश्यक है। इसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा जारी किए जाने वाले वार्षिक प्रमाणपत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को समझाया कि किस प्रकार वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने, निर्धारित खातों का उचित रखरखाव करने और समय पर वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने से रियल एस्टेट परियोजनाओं में जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है।

सेमिनार के द्वितीय सत्र में सीए राजीव गुप्ता ने ब्याज सब्सिडी योजनाओं (इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम) पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के साथ-साथ नवाचार, नए व्यवसायों की स्थापना और मौजूदा उद्योगों के उन्नयन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रकार की सब्सिडी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य उद्यमियों पर वित्तीय बोझ कम करना, निवेश को प्रोत्साहन देना और उद्योगों एवं व्यवसायों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है। उन्होंने ब्याज सब्सिडी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाते हुए पात्रता की शर्तों, आवश्यक दस्तावेजों और वित्तीय एवं कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी सरकारी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए संबंधित पात्रता मानदंडों को समझना, सही दस्तावेज प्रस्तुत करना और निर्धारित नियमों का पालन करना जरूरी है। योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली सहायता के लिए पारदर्शिता और समयबद्ध अनुपालन भी महत्वपूर्ण है। सीए राजीव गुप्ता ने प्रतिभागियों को यह भी बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अपने व्यावसायिक ज्ञान और विशेषज्ञता के माध्यम से उद्यमियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने, वित्तीय दस्तावेज तैयार कराने तथा नियमों के अनुरूप अनुपालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

खुर्जा के लाल ओलंपियन अरविंद सिंह को अर्जुन अवार्ड, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनपद के खुर्जा क्षेत्र के गांव खबरा निवासी ओलंपियन अरविंद सिंह को खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में अरविंद सिंह को प्रतिष्ठित अर्जुन अवार्ड प्रदान किया। इस उपलब्धि से जिले और उनके पैतृक गांव खबरा में खुशी और गर्व का माहौल है। अरविंद सिंह ने रोइंग (नौकायन) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक सहित एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनकी इस उपलब्धि के पीछे वर्षों का संघर्ष, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण रहा है। बताया जाता है कि अरविंद सिंह का सफर आसान नहीं रहा। मेहनत-मजदूरी से शुरूआत कर उन्होंने अपने परिश्रम और लगन के दम पर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच तक अपनी पहचान बनाई। अब अर्जुन पुरस्कार मिलने से उनकी वर्षों की मेहनत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। अरविंद सिंह के परिवार में देशसेवा की भावना भी विशेष रूप से देखने को मिलती है। उनके बड़े भाई भारतीय सेना में रहकर देश की सेवा कर रहे हैं। अरविंद की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है।



कैंसर की दवाओं को सस्ता बनाने की पहल, मरीजों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता : जगत प्रकाश नड्डा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार की जिंदगी में चिंता, अनिश्चितता और आर्थिक दबाव का दौर शुरू हो जाता है। बीमारी की पहचान होने के बाद मरीज और उसके परिजनों को इलाज, दवाओं के खर्च और भविष्य से जुड़े कई कठिन फैसले लेने पड़ते हैं। ऐसे समय में परिवार की सबसे बड़ी प्राथमिकता मरीज को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना होती है, लेकिन महंगी दवाएं कई बार इस संघर्ष को और कठिन बना देती हैं। एक संवेदनशील और जनहितकारी स्वास्थ्य व्यवस्था का दायित्व केवल बीमारी का उपचार उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि इलाज के कारण परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को भी कम करना है। इसी सोच के साथ केंद्र सरकार ने कैंसर के उपचार को अधिक किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने लेख में इस पहल के उद्देश्यों, इसके प्रभाव और सरकार की व्यापक स्वास्थ्य नीतियों का उल्लेख किया है।



नड्डा के अनुसार, भारत सरकार ने 137 चिन्हित गैर-अनुसूचित कैंसर-रोधी दवाओं के व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाया है। इस व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने इन दवाओं के व्यापारिक मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। संशोधित कीमतें 9 नवंबर 2026 से लागू हो गई हैं। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दवाओं की अंतिम कीमत में अनावश्यक बढ़ोतरी न हो और मरीजों को उचित तथा कम कीमत पर उपचार संबंधी दवाएं उपलब्ध हो सकें। सरकार का प्रयास है कि दवा के वितरण से जुड़े मार्जिन को तर्कसंगत रखा जाए, ताकि मरीजों और उनके परिवारों को अनावश्यक आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। इस निर्णय का प्रभाव दवाओं की कीमतों में आई कमी के रूप में सामने आने लगा है। लेख के अनुसार, 80 से अधिक दवा कंपनियों ने 137 में से 121 दवाओं से संबंधित 1,366 उत्पादों की संशोधित अधिकतम खुदरा कीमतों की जानकारी दी है। इनमें पांच में से चार से अधिक उत्पादों की कीमतें कम हुई हैं। लगभग आधे उत्पादों की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है, जबकि कुछ दवाओं की कीमतों में 96 प्रतिशत तक की कमी आई है। कैंसर के मरीजों को उपचार के दौरान कई बार कीमोथेरेपी और अन्य दवाओं की आवश्यकता होती है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में कमी आने से उनके मासिक उपचार खर्च में उल्लेखनीय राहत मिल सकती है। पिछले वर्ष की खपत के आधार पर इस निर्णय से मरीजों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष लगभग 3,500 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद जताई गई है। यह राशि उन परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है, जिन्हें कैंसर के लंबे उपचार के दौरान लगातार दवाओं और चिकित्सा सुविधाओं पर खर्च करना पड़ता है। इस बचत से परिवार अपनी अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ मरीज के उपचार को भी बेहतर ढंग से जारी रख सकेंगे। सरकार की मंशा है कि दवाओं की कीमतों में अनावश्यक व्यापारिक मार्जिन के कारण किसी मरीज को उपचार से वंचित न रहना पड़े। केंद्रीय मंत्री ने अपने लेख में बताया कि कैंसर की दवाओं के व्यापारिक मार्जिन को नियंत्रित करने का यह निर्णय पिछले अनुभवों पर आधारित है। वर्ष 2019 में राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने व्यापारिक मार्जिन के युक्तिकरण की प्रक्रिया के तहत एक प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया था। इसमें गैर-अनुसूचित श्रेणी की कैंसर संबंधी 42 दवाओं को शामिल किया गया था। इस पहल के परिणामस्वरूप 526 ब्रांडों की अधिकतम खुदरा कीमतों में 90 प्रतिशत तक की कमी आई थी। अब इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए 137 कैंसर-रोधी दवाओं की बड़ी सूची पर लागू किया गया है। इन दवाओं का चयन विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। समिति में कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकीय विशेषज्ञों, अस्पताल विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों को शामिल किया गया था।

सरकारी खेल मैदान पर दबंगों का कब्जा हटाया, तहसील प्रशासन ने मुक्त कराई 4.5 बीघा जमीन

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर (बुलंदशहर)। सरकारी जमीन और विद्यालय के खेल मैदान पर अवैध कब्जे के मामले में शुक्रवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत फैजल्लापुर अजनारा में करीब साढ़े चार बीघा भूमि को कब्जामुक्त करा लिया। एसडीएम प्रतीक्षा पाण्डेय के आदेश पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पैमाइश कर गेहूं की फसल बोकर कब्जाई गई सरकारी जमीन को खाली कराया। मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम फैजल्लापुर अजनारा निवासी राहुल हरवीर सिंह पुत्र हरवीर सिंह ने 23 अक्टूबर 2020 को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम पंचायत में विद्यालय के खेल मैदान और आरक्षित सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की थी। उन्होंने प्रशासन से सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराने की मांग की थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने राजस्व टीम का गठन किया। शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को राजस्व निरीक्षक विक्रम सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल लोकेन्द्र सिंह तथा लेखपाल सन्नी, रनपाल सिंह विजय गौतम और अजय मलिक की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने स्थलीय निरीक्षण कर भूमि की पैमाइश की। जांच में सामने आया कि गाटा संख्या 374 खतौनी में नवीन परती के रूप में दर्ज है, जबकि खसरे में उक्त भूमि विद्यालय के खेल मैदान के रूप में अंकित है। इसके बावजूद कुछ लोगों ने जमीन पर गेहूं की फसल बोकर कब्जा कर रखा था। सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराने के लिए जब प्रशासन ने ग्राम प्रधान से ट्रैक्टर की व्यवस्था करने को कहा तो दबंगों के भय के चलते ग्रामीण अपना ट्रैक्टर देने से कतराते रहे। काफी प्रयास के बाद भी जब गांव में ट्रैक्टर की व्यवस्था नहीं हो सकी तो एक स्थानीय बच्चे ने पड़ोसी गांव से ट्रैक्टर मंगवाया।

मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में कराया गया था भर्ती; घटना के बाद से फरार चल रहा था आरोपी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। मारपीट, गाली-गलौज और जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को रामनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने 12 नवंबर को कार्रवाई करते हुए आरोपी को रामनगर थाना क्षेत्र के डोमरी घाट से दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोपाल पाल (27 वर्ष) पुत्र रामदुलारे निवासी ग्राम सेमरा, थाना मुगलसराय, जनपद चंदौली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मारपीट और जानलेवा हमले से संबंधित मुकदमा दर्ज था और घटना के बाद से ही उसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 5 नवंबर 2026 को शिकायतकर्ता ने थाना रामनगर में लिखित तहरीर देकर घटना की जानकारी दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि डबलू पाल उर्फ डब्बल, उसका छोटा भाई



तथा तीन अन्य व्यक्ति शिकायतकर्ता के भाई के साथ गाली-गलौज करने लगे। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए शिकायत के आधार पर रामनगर थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। मामले में शामिल अन्य आरोपियों के साथ मुख्य आरोपी गोपाल पाल की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम को सूचना मिली, जिसके आधार पर 12 नवंबर को डोमरी घाट क्षेत्र में कार्रवाई कर गोपाल पाल को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। लाठी-डंडों से किए गए हमले में युवक के गंभीर रूप से घायल होने के कारण मामले को गंभीरता से लिया गया था। पुलिस टीम घटना में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका और उनकी गिरफ्तारी को लेकर भी नियमानुसार कार्रवाई कर रही है। इस मामले में थाना रामनगर कमिश्नरेट वाराणसी में मुकदमा संख्या 0285/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 115(2), 352 और 110 में अभियोग पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक हरेन्द्र सिंह और कांस्टेबल हिमांशु कुशवाहा शामिल रहे। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त जोन काशी के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त जोन काशी के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली एवं प्रभारी निरीक्षक रामनगर के नेतृत्व में की गई।

परवाना गांव का युवक दीपांशु लापता, तलाश में जुटी पुलिस

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना। थाना खानपुर क्षेत्र के गांव परवाना निवासी एक युवक दीपांशु पुत्र देवेंद्र के लापता होने का मामला सामने आया है। युवक के लापता होने के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। परिजन उसकी तलाश में जुटे हैं और पुलिस से युवक को जल्द बरामद करने की गुहार लगा रहे हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए खानपुर पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है और मामले की जांच की जा रही है। वहीं थाना प्रभारी रितेश कुमार ने बताया कि युवक की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। पुलिस की टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि



यदि किसी व्यक्ति को दीपांशु के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो तत्काल खानपुर पुलिस को सूचित करें, ताकि युवक को सकुशल बरामद किया जा सके।

वाराणसी में कहार समाज का भव्य राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित, सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक सशक्तिकरण पर हुआ व्यापक मंथन

देशभर से जुटे समाज के प्रबुद्धजन और प्रतिनिधि, शिक्षा को विकास की आधारशिला बनाने तथा राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सामाजिक एकजुटता, शिक्षा के प्रसार और समाज के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश की धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में कहार समाज का भव्य राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों और प्रांतों से आए समाज के प्रबुद्धजनों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता करते हुए समाज की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कहार समाज को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना तथा समाज के लोगों को उनके अधिकारों और संवैधानिक व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए नई पीढ़ी को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, युवाओं को आगे बढ़ाने और समाज की संगठित शक्ति को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि कहार समाज देश के विभिन्न राज्यों में निवास करता है और लगभग 104 उपजातियों में विभाजित है। समाज की आबादी और सामाजिक संरचना को देखते हुए इसके समक्ष शिक्षा, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसी अनेक चुनौतियां मौजूद हैं। वक्ताओं के अनुसार, समाज की बड़ी आबादी होने के बावजूद विभिन्न क्षेत्रों में उसकी अपेक्षित भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकी है। इसके लिए आवश्यक है कि समाज के लोग आपसी मतभेदों को दूर कर एक साझा मंच पर आएं और संगठित होकर विकास की दिशा में



काम करें। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक उन्नति केवल जनसंख्या से नहीं, बल्कि उसकी शैक्षिक योग्यता, आर्थिक स्थिति, सामाजिक चेतना और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी से तय होती है।

सम्मेलन में शिक्षा के महत्व पर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज के विकास और नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सबसे जरूरी है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता दें और उन्हें उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रशासनिक सेवाओं तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी बेहतर शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभाओं की कमी किसी भी समाज में नहीं होती, आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने, प्रोत्साहित करने और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने की होती है। जब समाज के बच्चे शिक्षा और विभिन्न प्रतियोगी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करेंगे तो इससे न केवल परिवारों की स्थिति मजबूत होगी, बल्कि पूरे समाज को नई पहचान मिलेगी। इस दौरान युवाओं से अपने लक्ष्य निर्धारित कर पूरी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया गया। राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले समाज के प्रतिभावान बच्चों और विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के माध्यम से शिक्षा, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का उत्साहवर्धन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का अभिनंदन नहीं है, बल्कि इससे समाज के अन्य बच्चों और युवाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास और एक-दूसरे के प्रति सहयोग की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सम्मेलन में अति पिछड़े वर्गों के सामाजिक और शैक्षिक उत्थान से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से रोहिणी आयोग की सिफारिशों और अन्य पिछड़ा वर्ग के भीतर अत्यंत पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने से जुड़े मुद्दों पर लोगों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोगों को अपने संवैधानिक अधिकारों, सरकारी योजनाओं और उपलब्ध अवसरों की जानकारी होनी चाहिए। अधिकारों के प्रति जागरूकता के अभाव में अनेक लोग उन सुविधाओं और अवसरों का लाभ नहीं उठा पाते, जो उनके विकास के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और समान अवसर की व्यवस्था तभी प्रभावी हो सकती है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा, रोजगार और विकास की सुविधाएं पहुंचें। इसके लिए आवश्यक है कि समाज के प्रतिनिधि संबंधित विषयों का अध्ययन करें, सरकारी नीतियों की जानकारी प्राप्त करें और लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यमों से अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से उठाएं। रोहिणी आयोग की सिफारिशों के संदर्भ में भी वक्ताओं ने कहा कि अति पिछड़ी जातियों की वास्तविक सामाजिक और शैक्षिक स्थिति को समझते हुए उनके हितों की पैरवी की जानी चाहिए।

मोदीनगर में विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से न छूटे: रविंद्र कुमार मॉदड़

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में दिनांक 17 नवंबर से 16 दिसंबर के बीच चलने वाले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण संबंधी आगामी तैयारियों हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एस आर एम यूनिवर्सिटी मोदीनगर में विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने सभी बीएलओ, सुपरवाइजर्स, एईआरओ एवं ईआरओ एवं संबंधित अधिकारियों तथा कार्मिकों को संबोधित किया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधी कार्यों को पूरी तत्परता, गंभीरता एवं मनोयोग के साथ संपादित करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से न छूटे। जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है अथवा जो 01 जनवरी, 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेंगे, उन सभी के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की गलती, लापरवाही अथवा शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी अथवा कार्मिक की कार्यों के प्रति लापरवाही पाई जाती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी कार्मिकों से पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने तथा अधिक से अधिक पात्र नए मतदाताओं को जोड़ने की अपील की।जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मॉदड़ ने बीएलओ को निर्वाचन कार्यों को प्रभावी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के लिए चार महत्वपूर्ण मंत्र दिए। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी पात्र व्यक्ति के पास केवल आधार कार्ड उपलब्ध है, तब भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन फॉर्म-6 भरकर उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया जा सकता है। वहीं ऑफलाइन आवेदन की स्थिति में एक पासपोर्ट साइज फोटो भी उपलब्ध करानी होगी। अंत में जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ अभियान को सफल बनाएं, ताकि जनपद की मतदाता सूची शत-प्रतिशत शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाई जा सके और कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।बीएलओ, सुपरवाइजर के संवेदीकरण एवं ट्रेनिंग इआरओ मोदीनगर एवं समस्त एइआर ओ मोदीनगर (तहसीलदार मोदीनगर,खंड विकास अधिकारी भोजपुर, खंड शिक्षा अधिकारी भोजपुर, जिला गन्ना अधिकारी गाजियाबाद) की उपस्थिति में सम्पन्न कराई गई। मतदाता सूची को शत-प्रतिशत शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने तथा यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे।

गोल्ड मेडल जीतकर लौटीं अनु सेन, मोदीनगर में हुआ भव्य स्वागत

अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली महिला कबड्डी खिलाड़ी अनु सेन का मोदीनगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। अहमदाबाद में आयोजित कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीतने वाली अनु सेन की उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनु सेन की खेल उपलब्धियों का सिलसिला यहीं नहीं थमा। इससे पहले बांग्लादेश में आयोजित महिला कबड्डी वर्ल्ड कप में भी उन्होंने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। खास बात यह रही कि इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश से चयनित होने वाली वह एकमात्र खिलाड़ी थीं। खेल के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के साथ-साथ अनु सेन उत्तर प्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर भी कार्यरत हैं। उनके मोदीनगर पहुंचने पर सैन समाज, मातृभूमि संघ एवं अखिल भारतीय सेन समाज के तत्वावधान में भाजपा नेता एवं अखिल भारतीय सेन समाज के महासचिव अजय सेन के आवास पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। उपस्थित लोगों ने उन्हें स्नेह और आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अनु सेन भाजपा नेता अजय सेन की भतीजी हैं। स्वागत समारोह में सपा नेता गिरीश मथुरिया सेन, अजय सेन, अनिल सेन, महेश आर्य, तेज सेन, सर्वेश, कृष्ण रहेला, भाजपा नेता सुभाष मलिक एवं सतीश हालदार सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अनु सेन ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता से मोदीनगर गौरवान्वित है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

श्री शिव दुर्गा खाटू श्याम मंदिर में भंडारे का आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महेंद्रपुरी स्थित श्री शिव दुर्गा खाटू श्याम मंदिर में समाजसेवी मनोज गोयल एवं उनके साथियों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में पहुंचकर लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर गोवर्धन पूजा कार्यक्रम भी आयोजन किया गया। पूजा में श्रद्धालुओं ने सच्चे मन से पूजा की और भगवान आशीर्वाद प्राप्त किया। मनोज गोयल ने कहा कि जो भगवान का सच्चे मन से पूजा करते है। भगवान उसे पर कृपा करते हैं । हमें भगवान की सच्चे मन से पूजा करनी चाहिए तभी फल प्राप्त होगा। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम विधायक डॉक्टर डॉ मंजू सिवाच पूर्व अध्यक्ष रामआसरे शर्मा, पूर्व भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष मयंक शर्मा ,अरुण खन्ना ,अशोक महेश्वरी, मनोज कुमार गोयल, सत्यवीर राघव व अरविंद शर्मा ओम प्रकाश शर्मा, अनिल वशिष्ठ आदि सैंकड़ों श्रद्धालु जन उपस्थित रहे और प्रशाद ग्रहण किया।

आर्य समाज गोविन्दपुरी का 75वाँ वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ यज्ञ द्वारा किया गया

युवा भजनोपदेशक मुकेश कुमार के हुए सुमधुर भजन

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आर्य समाज गोविन्दपुरी का 75 वाँ वार्षिकोत्सव का शुभारम्भ आर्य जगत के सुप्रसिद्ध विद्वान, अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता आचार्य हरिप्रसाद के ब्रह्मत्व में हुए यज्ञ से हुआ। तत्पश्चात पतंजलि योगपीठ, मोदीनगर के स्वामी जी के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण हुआ। मुजफ्फरनगर से पधारे युवा भजनोपदेशक मुकेश कुमार के सुमधुर भजन हुए। द्वितीय सत्र में 'युवा सम्मेलन' हुआ जिसके अंतर्गत डॉ दिनेश मलिक, (प्रधान, आर्यसमाज, गोविन्दपुरी) के संयोजकत्व में एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसका विषय था- 'अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द-व्यक्तित्व व कृतित्व' रहा। भाषण प्रतियोगिता में , हापुड़, गाजियाबाद व मोदीनगर के 14 विद्यालयों के 27 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। युवा सम्मेलन की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी मुनीष आर्य ने की। निर्णायक मण्डल में प्रसिद्ध कवि सुरेन्द्र सिंह अत्रीश, भूतपूर्व प्रधानाचार्य डा. रामनारायण वर्मा, व प्रोफेसर डा. कविता बसंल (गाजियाबाद) रहे। जिन्होंने निम्न निर्णय दिया.महर्षि दयानन्द चल विजयोपहार - दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर, सर्वश्रेष्ठ वक्ता (प्रथम पुरस्कार)- के. तृषा शर्मा (टी.आर.एम पब्लिक स्कूल, मोदीनगर) श्रेष्ठ वक्ता (द्वितीय पुरस्कार- कु.कमिका (दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर) उत्कृष्ट वक्ता (तृतीय पुरस्कार) - शिवओम गुप्ता (डी.ए.वी पब्लिक स्कूल पिलखुआ) सांत्वना पुरस्कार 1. कु. वैष्णवी (छाया पब्लिक स्कूल, गोबिन्दपुरी) 2. कु. भूमिका मेंदीरत्ता (सेंट टेरेसा एकेडमी)रहे। सम्मेलन के सभी प्रतिभागियों, अध्यापकों, सम्मेलन के अध्यक्ष को प्रतीक चिन्ह व उपहार प्रमाणपत्र वितरित किए गए । अध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों को ईमानदारी, परिश्रम व अनुशासित रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील भाटिया, रिया, आनन्द त्यागी, अजय गर्ग, विदित भाटिया, राजेश योगीराज, अनीता भाटिया, नूतन मलिक आदि अनेक सदस्यों का सहयोग रहा। अन्त में मंत्री विश्वबन्धु ने सभी आगंतुकों का वे निर्णायक मण्डल का आभार व्यक्त किया।

पदोन्नति सूची में विसंगतियों पर शिक्षकों में नाराजगी, बीएसए को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति के लिए जारी सूची में कथित विसंगतियों को लेकर शिक्षकों में नाराजगी है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने इस मामले में शुक्रवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को ज्ञापन सौंपकर पदोन्नति प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन कराने की मांग की है। संघ का कहना है कि वरिष्ठता निर्धारण में नियमों की अनदेखी होने से योग्य शिक्षकों के साथ अन्याय हो सकता है। इसलिए पदोन्नति सूची की विसंगतियों को दूर कर नियमानुसार संशोधित सूची तैयार की जाए। संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. अनुज त्यागी ने उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा सेवा नियमावली-1981 के संशोधनों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी अध्यापक की ज्येष्ठता उसकी मौलिक नियुक्ति की तिथि के आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए। मौलिक नियुक्ति का आशय अध्यापक की प्रथम नियुक्ति तिथि से है। इसी आधार पर वरिष्ठता सूची तैयार की जानी चाहिए, ताकि पदोन्नति में किसी पात्र शिक्षक के साथ भेदभाव न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि मृतक आश्रित अथवा अन्य अप्रशिक्षित अध्यापकों के मामलों में उनकी ज्येष्ठता प्रशिक्षित होने की तिथि से निर्धारित की जाएगी।

संघ ने अधिकारियों से आग्रह किया कि सभी शिक्षकों के सेवा अभिलेखों और नियुक्ति संबंधी विवरणों का परीक्षण करने के बाद ही वरिष्ठता का निर्धारण किया जाए। डॉ. त्यागी ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति के लिए निर्धारित पात्रता शर्तों का पालन भी अनिवार्य है। इसके तहत संबंधित अध्यापक वर्तमान में उच्च प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक अथवा प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत होना चाहिए।

सोसायटियों में कोई भी पात्र मतदाता नाम जुड़वाने से न रहे वंचित, एओए-आरडब्ल्यूए संभालें जिम्मेदारी: डीएम

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। विधानसभा मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 के तहत कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे, इसके लिए जिला प्रशासन ने आवासीय सोसायटियों में जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में आईटीएस कॉलेज, मोहन नगर में विभिन्न सोसायटियों के एओए और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें डीएम ने सभी पदाधिकारियों को अपनी-अपनी सोसायटियों के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम शामिल होना जरूरी है। सोसायटियों में ऐसे निवासी, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, उनका फॉर्म-6 भरवाकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से पंजीकरण कराया जाए। वहीं, मतदाता पहचान पत्र या मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता अथवा अन्य विवरण में संशोधन कराने के लिए फॉर्म-8 भरवाया जाए। डीएम ने विशेष रूप से सभी नागरिकों से ईसीआई नेट ऐप डाउनलोड कर मतदाता सूची में अपना नाम जांचने की अपील की। उन्होंने बताया कि 17 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक नागरिक ऐप के माध्यम से अपना नाम और विवरण अवश्य जांचे। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची में नहीं मिलता है तो वह फॉर्म-6 भरकर बीएलओ से संपर्क करे।

19 करोड़ के अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, औचक निरीक्षण में दो ही डॉक्टर मिले उपस्थित

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। क्षेत्र की पांच लाख से अधिक आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 19 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाए गए डूंडाहेड़ा स्थित 50 बेड के संयुक्त अस्पताल की हकीकत शुक्रवार को औचक निरीक्षण में सामने आई। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मेरठ मंडल के अपर निदेशक डॉ. मनोज सेन और संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक तालियान ने अस्पताल का निरीक्षण किया तो ओपीडी में केवल दो चिकित्सक उपस्थित मिले। स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और अव्यवस्थाएं मिलने पर अपर निदेशक उपस्थिति रजिस्टर भी अपने साथ ले गए। निरीक्षण के दौरान ओपीडी में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल आनंद और फिजिशियन डॉ. रंजीत ही मौजूद मिले। डॉ. रंजीत ने निरीक्षण के समय तक केवल 11 मरीजों को देखा था, जबकि डॉ. अतुल आनंद ने एक भी मरीज नहीं देखा था। इमरजेंसी में डॉ. अजमल उपस्थित मिले। अस्पताल के बाकी 11 चिकित्सक मौके पर नहीं मिले। इसके अलावा कई स्वास्थ्यकर्मी भी गैरहाजिर पाए गए। उपस्थिति रजिस्टर की जांच के दौरान अधिकारियों को संदेह हुआ, जिसके बाद अपर निदेशक उसे अपने साथ ले गए। निरीक्षण में अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। कई स्थानों पर गंदगी मिली और मरीजों के बेड पर निर्धारित मानकों के अनुरूप चादरें नहीं बिछी थीं। अधिकारियों ने इमरजेंसी सेवाओं में भी कमियां पाईं। नियमानुसार सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक ओपीडी में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य है, जबकि इमरजेंसी सेवा 24 घंटे संचालित होनी चाहिए।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर एसजी शिखर में निकली प्रभात फेरी, गुरुबाणी से गूंजा परिसर

'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' के संदेश को जीवन में अपनाने का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को सिद्धार्थ विहार स्थित स्त्र शिखर सोसाइटी में श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। सुबह पांच बजे आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में सोसाइटी के बड़ी संख्या में निवासियों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान गुरुबाणी के पाठ, कीर्तन और अकाल पुरख के सिमरन से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। प्रभात फेरी में शामिल श्रद्धालुओं ने 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के जयघोष के साथ गुरु नानक देव जी को नमन किया। सुबह की शांत और पावन बेला में गुरुबाणी और प्रभु सिमरन के साथ दिन की शुरूआत करना श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक आनंद का अनुभव रहा।

यह आयोजन आगामी 24 नवंबर को मनाए जाने वाले गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत के रूप में किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। गुरु नानक देव जी का संदेश 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' आज भी मानवता, समानता, सेवा और आपसी भाईचारे की प्रेरणा देता है। आयोजकों ने कहा कि ऐसे धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन समाज में प्रेम, एकता, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने प्रभात फेरी में शामिल सभी निवासियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

साइबर ठगों ने खाते से उड़ाए 3.47 लाख रुपये, शिकायत के बाद 44 हजार लौटे

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक बार फिर बैंक खाते को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चपत लगा दी। ठगों ने वेव सिटी निवासी एक व्यक्ति के खाते से अनाधिकृत तरीके से 3 लाख 46 हजार 828 रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

इसके बाद खाते में 44 हजार 298 रुपये की आंशिक रकम वापस आ गई, लेकिन बाकी धनराशि का अभी पता नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार, मोहित पराशर पुत्र जय भगवान निवासी वेव सिटी के बैंक खाते से नौ नवंबर को कई लेनदेन के जरिए कुल 3,46,828 रुपये निकाल लिए गए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने तत्काल साइबर अपराध की राष्ट्रीय हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद 10 नवंबर को उनके खाते में 44,298 रुपये वापस आए। हालांकि, खाते में कई अन्य संदिग्ध लेनदेन भी दर्ज हुए हैं। पीड़ित मोहित पराशर ने वेव सिटी थाने में लिखित शिकायत देकर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि ठगी करने वाले गिरोह का पता लगाकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी। जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद की पांचों विधानसभा सीटों पर समाज की अच्छी संख्या, अब तक होता रहा है इस्तेमाल : इंद्रजीत सिंह टीटू

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। चुनाव में सिख-पंजाबी समाज को राजनीतिक भागीदारी और सम्मान दिए जाने की मांग तेज होने लगी है। सिख-पंजाबी समाज के शुभचिंतक इंद्रजीत सिंह टीटू ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के शीर्ष नेतृत्व से गाजियाबाद की पांच विधानसभा सीटों में से किसी एक सीट पर पंजाबी समाज के व्यक्ति को प्रत्याशी बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि गठबंधन एक विधानसभा सीट पर समाज को प्रतिनिधित्व देता है तो बाकी चार विधानसभा क्षेत्रों का पंजाबी समाज भी गठबंधन को तन-मन-धन से समर्थन देगा। इंदरजीत सिंह टीटू ने कहा कि सिख-पंजाबी समाज भावुक होने के साथ ही सम्मान का भूखा है। समाज को सम्मान और राजनीतिक भागीदारी दी जाए तो वह पूरी निष्ठा के साथ साथ खड़ा होता है। इस समय चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में मंथन चल रहा है। जातीय समीकरणों, गठबंधन और प्रत्याशियों के चयन पर विचार किया जा रहा है। ऐसे में एनडीए नेतृत्व को पंजाबी समाज की राजनीतिक भागीदारी पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह पूरे उत्तर प्रदेश के बारे में दावा नहीं कर सकते, लेकिन जिस जिले में उनका जन्म हुआ है, वहां के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को अच्छी तरह समझते हैं। गाजियाबाद की पांचों विधानसभा सीटों पर सिख-पंजाबी समाज की अच्छी संख्या है। इसके बावजूद समाज को अब तक अपेक्षित राजनीतिक सम्मान और प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि समाज का केवल चुनाव के समय इस्तेमाल आखिर कब तक होता रहेगा?

टीटू ने कहा कि यदि एनडीए गठबंधन गाजियाबाद की पांच विधानसभा सीटों में से किसी एक पर पंजाबी समाज के व्यक्ति को टिकट देता है तो बाकी चार विधानसभा क्षेत्रों में रहने वाला समाज भी पूरी ताकत से गठबंधन के साथ खड़ा होगा। उन्होंने अपने दावे को लेकर यहां तक कहा कि यदि भविष्य में उनकी यह बात गलत साबित होती है तो वह अपने राजनीतिक जीवन से दूरी बना लेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी यह मांग एनडीए गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचेगी और इस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इंद्रजीत सिंह टीटू ने कहा कि समाज किसी राजनीतिक दल से केवल आश्वासन नहीं, बल्कि सम्मानजनक भागीदारी चाहता है। पंजाबी समाज को उचित प्रतिनिधित्व मिलने से न केवल समाज का विश्वास मजबूत होगा, बल्कि गठबंधन को भी व्यापक समर्थन मिल सकता है।

रास्ता भटककर मुरादनगर पहुंचे कश्मीरी युवक को पुलिस ने पिता के सुपुर्द किया



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जम्मू-कश्मीर से रास्ता भटककर मुरादनगर पहुंचे युवक को पुलिस ने शुक्रवार को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। बेटे को सकुशल पाकर पिता ने पुलिस का आभार जताया और उसे अपने साथ जम्मू-कश्मीर ले गए। युवक के अचानक मुरादनगर पहुंचने की सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई थीं। पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह मोहम्मद शमीम डार पुत्र मोहम्मद यूसुफ डार निवासी गोपालपोरा, चाडूरा, जिला बडगाम (जम्मू-कश्मीर) ट्रेन से सफर करते हुए रास्ता भटककर मुरादनगर पहुंच गया था। युवक के बारे में जानकारी मिलने पर पुलिस ने उसके परिजनों और जम्मू-कश्मीर पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद उसके परिवार को सूचना देकर आगे की कार्रवाई की गई। एसीपी सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि शुक्रवार को युवक के पिता मोहम्मद यूसुफ डार मुरादनगर थाने पहुंचे।

हिंडन घाट पर छठ पूजा की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, बोले- श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं में न हो कोई कमी

स्वच्छता, शुद्ध जल, निर्बाध बिजली और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। छठ पूजा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने शुक्रवार को हिंडन नदी स्थित जनपद के सबसे बड़े छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। निरीक्षण में अपर पुलिस आयुक्त राजकरन नय्यर और नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने घाट पर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल, नदी के पानी की स्वच्छता, सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्व के दौरान घाट और नदी के आसपास गंदगी व कूड़ा जमा न होने पाए। श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और खुले व क्षतिग्रस्त तारों को पहले ही ठीक कराने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिस को सीसीटीवी से निगरानी, भीड़ नियंत्रण और संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। यातायात सुचारु रखने के लिए पार्किंग और आवागमन की उचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। डीएम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने और पर्व समाप्त होने तक लगातार निगरानी करने को कहा।

छठ पूजा को लेकर ट्रांस हिंडन पुलिस अलर्ट, डीसीपी ने की अपराध गोष्ठी एवं समीक्षा बैठक



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी छठ पूजा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए ट्रांस हिंडन पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में 12 नवंबर को रात 9 बजे पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन जोन ऋजुल के नेतृत्व में मोहननगर स्थित कार्यालय पर अपराध गोष्ठी एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य, एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना, एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह तथा जोन के सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में छठ पूजा के मद्देनजर विभिन्न घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा की गई। डीसीपी ने संबंधित अधिकारियों को घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही अपराध नियंत्रण, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

छठ पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट, हिंडन घाटों पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त; सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का लिया जायजा





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। छठ महापर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकरन नैय्यर (कानून-व्यवस्था एवं यातायात) ने पुलिस बल के साथ इंदिरापुरम एवं साहिबाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत हिंडन नदी के विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को पूजा स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, सतर्कता बरतने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात (प्रथम) ने हिंडन नदी के प्रमुख घाटों, डायवर्जन प्वाइंट और मुख्य मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान यातायात निरीक्षकों को भीड़ नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था और सुचारु यातायात संचालन के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने पर्व के दौरान श्रद्धालुओं और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था मजबूत रखने पर जोर दिया।

योगेश कुमार के तूफानी शतक से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की शानदार जीत, टीसीए को 9 विकेट से हराया



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्रिकेट मुकाबले में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तान्या क्रिकेट अकादमी (टीसीए) को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीसीए ने निर्धारित 20 ओवर में 158 रन बनाए। टीम की ओर से हर्षदीप ने 70 और अरव पंचाल ने 56 रन की शानदार पारियां खेलीं। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से वेदांत कौशिक ने दो, जबकि नितेश और शौर्य ने एक-एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की टीम ने 17.5 ओवर में एक विकेट खोकर 161 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की जीत के हीरो योगेश कुमार रहे, जिन्होंने मात्र 58 गेंदों पर 101 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। रोहित पांडेय ने 24 और अभिमन्यु यादव ने 16 रन का योगदान दिया। शानदार शतक लगाने वाले योगेश कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

गाजियाबाद में 10 लाख नए मतदाता जोड़ने का लक्ष्य, 17 नवंबर को जारी होगी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट

वर्तमान मतदाता संख्या के मुकाबले 47 से 48 प्रतिशत नए मतदाताओं को जोड़ने की तैयारी, 4 जनवरी को आएगी अंतिम सूची





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद मीडिया से वार्ता में बताया कि 17 नवंबर को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी तथा 28 दिसंबर तक उनका निस्तारण कर 4 जनवरी 2027 को अंतिम सूची जारी होगी। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद में 23 लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, जबकि करीब 10 लाख पात्र नागरिक अभी सूची से बाहर हैं। इन्हें जोड़ने के लिए 47 से 48 प्रतिशत नए मतदाताओं को शामिल करने का लक्ष्य है। इसके लिए सरकारी विभागों, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आरडब्ल्यूए का सहयोग लिया जाएगा। 21, 22, 28 और 29 नवंबर को विशेष अभियान चलेगा। नए मतदाता फॉर्म-6 और संशोधन के लिए फॉर्म-8 भर सकेंगे। उन्होंने नागरिकों से परिवार सहित नाम जांचने की अपील की।

दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान होगा आसान

Form-8 से कराएं PwD मार्किंग, मिलेंगी विशेष सुविधाएं

कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी विधानसभा चुनाव में दिव्यांग मतदाताओं को सुगम और सुलभ मतदान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्वाचन आयोग ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने बताया कि जिन दिव्यांगजनों का मतदाता पहचान पत्र (EPIC) बना हुआ है, लेकिन मतदाता सूची में PwD मार्किंग नहीं हुई है, वे ऑनलाइन Form-8 भरकर अपनी दिव्यांगजन श्रेणी दर्ज करा सकते हैं। PwD मार्किंग के बाद दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर व्हीलचेयर, रैंप, अलग कतार, प्राथमिकता से मतदान, स्वयंसेवक की सहायता और पात्र मतदाताओं को निःशुल्क परिवहन एवं पिकअप-ड्रॉप की सुविधा मिलेगी। दृष्टिबाधित मतदाताओं के लिए ब्रेल सुविधायुक्त ईवीएम की व्यवस्था भी रहेगी। इसके लिए मतदाताओं को https://voters.eci.gov.in/ पर मोबाइल नंबर और ओटीपी से लॉगिन कर Form-8 ‚fZa 'Request for Marking as Person with Disability' विकल्प चुनना होगा। इसके बाद ईपीआईसी नंबर, व्यक्तिगत विवरण और दिव्यांगता संबंधी जानकारी भरकर आवेदन सबमिट करना होगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अधिक से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को जागरूक करने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान सुविधाओं से वंचित न रहे।

विद्यार्थियों ने किया अत्याधुनिक तकनीकी प्रयोगशाला का उद्घाटन, भविष्य की तकनीकों का मिलेगा व्यावहारिक ज्ञान

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में सुंदर दीप वर्ल्ड स्कूल ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। विद्यालय परिसर में शुक्रवार को अत्याधुनिक 'स्टीम-आई7' प्रयोगशाला विकसित की गई है। खास बात यह रही कि इस प्रयोगशाला का उद्घाटन किसी विशिष्ट अतिथि या प्रबंधन के सदस्य ने नहीं, बल्कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वयं किया। इसके माध्यम से विद्यालय ने विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा और नवाचार के केंद्र में रखने का संदेश दिया। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें प्रयोग के माध्यम से सीखने के अवसर देना है। यहां विद्यार्थी रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक तकनीक, संवर्धित एवं आभासी वास्तविकता और ड्रोन तकनीक जैसी भविष्य से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। प्रयोगशाला में विद्यार्थी रोबोट का डिजाइन तैयार करने, उसका निर्माण करने और प्रोग्रामिंग करने की बारीकियां सीखेंगे। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वास्तविक जीवन में उपयोग को समझने का अवसर मिलेगा। अर्धचालक तकनीक के माध्यम से आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप निर्माण की बुनियादी जानकारी दी जाएगी।

वहीं संवर्धित एवं आभासी वास्तविकता तकनीक के जरिए विद्यार्थी डिजिटल दुनिया का अनुभव कर सकेंगे। ड्रोन तकनीक के माध्यम से उन्हें हवाई नवाचार और उसके विभिन्न व्यावहारिक अनुप्रयोगों की जानकारी मिलेगी। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. गुंजिता कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें नई तकनीकों के साथ प्रयोग करने, रचनात्मक सोच विकसित करने और वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने के अवसर भी मिलने चाहिए। 'स्टीम-आई7' प्रयोगशाला इसी सोच को साकार करने की दिशा में एक सार्थक पहल है। विद्यालय के निदेशक (प्रवेश) अखिलेश वर्मा ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल भविष्य के लिए तैयार करना नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य का निर्माण करने योग्य बनाना है।

इस प्रयोगशाला के माध्यम से विद्यार्थी तकनीक को केवल पढ़ेंगे नहीं, बल्कि उसका अनुभव करेंगे और अपने विचारों को नए नवाचार में बदलने का प्रयास करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि आज के विद्यार्थी ही आने वाले समय में नवाचारक, नेतृत्वकर्ता और तकनीक के निमार्ता बनेंगे।

प्रयोगशाला के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, तार्किक चिंतन, समस्या समाधान, टीम भावना, अनुसंधान और तकनीकी दक्षता जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, यह पहल परिसर में नवाचार और अनुभव आधारित शिक्षा की संस्कृति को मजबूत करेगी तथा विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में मददगार साबित होगी।

छठ पूजा को लेकर जीडीए अलर्ट, कोयल एन्क्लेव में चार घाट तैयार; सुरक्षा के लिए लगेंगे सीसीटीवी कैमरे



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। छठ पर्व को लेकर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को जीडीए उपाध्यक्ष एवं सचिव ने अधिकारियों की टीम के साथ कोयल एन्क्लेव योजना में छठ पूजा की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चार छठ घाट विकसित किए गए हैं। घाटों के आसपास साफ-सफाई, जल निकासी और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। महिलाओं की सुविधा के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए गए हैं, जबकि सुरक्षा और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। इसके अलावा अधिकारियों ने निमार्णाधीन रामायण थीम पार्क का भी निरीक्षण किया। उपाध्यक्ष ने कार्यदायी संस्था और अभियंताओं को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में निर्माण कार्य पूरा करने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

लापरवाही बरतने वाले बीएलओ और निर्वाचन कार्मिक कार्रवाई के लिए रहें तैयार: नवदीप रिणवा

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान (एसएसआर-2027) में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। बीएलओ किसी भी मतदाता से संपर्क किए बिना उसे अनुपलब्ध घोषित नहीं कर सकेंगे। प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन और उनमें दर्ज जानकारियों की शुद्धता सुनिश्चित करनी होगी। यह निर्देश शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जनपद में निर्वाचन संबंधी तैयारियों और विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मंडलायुक्त मेरठ मंडल भानु चंद्र गोस्वामी, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अंजनी कुमार सिंह सहित सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों और अन्य वंचित वर्गों के पात्र नागरिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण कराया जाए। साथ ही अपात्र और मृतक मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों से दिव्यांगता प्रमाणपत्र के साथ फॉर्म-8 के माध्यम से अपनी जानकारी अपडेट कराने को कहा, ताकि आगामी चुनाव में उन्हें मतदान के दौरान आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बीएलओ और एईआरओ के कार्यक्षेत्रों का आवंटन संतुलित रखा जाए, जिससे काम का अनावश्यक दबाव न पड़े और बेहतर समन्वय बना रहे।

ऑपरेशन प्रहार: ट्रोनिका सिटी में गांजा तस्कर गिरफ्तार, 1.300 किलो गांजा बरामद

कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अपराध और नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर 2026 को चेकिंग के दौरान टीम ने ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र से अरमान (20) पुत्र जमील निवासी दौलतनगर, ट्रोनिका सिटी को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से 1 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना ट्रोनिका सिटी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।